सुविचार

असफलता केवल एक सीख है, हार नहीं; कोशिश जारी रखने वाले ही सफल होते हैं।

प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News @dainikprathamnews

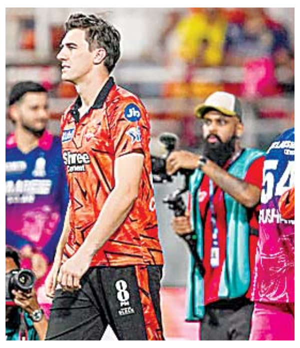

सनराइजर्स का सफर समाप्त, IPL के दूसरे क्वालिफायर में पहुंची राजस्थान... » पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष: 16 अंक : 146 | दिनांक : वीरवार, 28 मई 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्क: | 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

भारत-पाक सीमा से हटेंगे अवैध निर्माण : शाह

बॉर्डर सुरक्षा को लेकर केंद्र का बड़ा फैसला, सीमावर्ती इलाकों में सख्ती, बीकानेर बैठक में बना 360ए सिक्योरिटी प्लान, अवैध निर्माण पर कार्रवाई तय

» प्रथम न्यूज । बीकानेर
27 मई (ब्यूरो)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। राजस्थान के बीकानेर में आयोजित हाईलेवल सुरक्षा बैठक में भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा से 15 किलोमीटर तक अवैध निर्माण हटाने के निर्देश दिए गए। बैठक में सीमावर्ती जिलों की सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए 360ए सिक्योरिटी प्लान तैयार किया गया।

इस महत्वपूर्ण बैठक में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा सहित सीमा सुरक्षा और प्रशासन से जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। गृह मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीमा क्षेत्र में किसी भी तरह की अवैध गतिविधि या निर्माण को बर्दाश्त न किया जाए।

बैठक के दौरान सीमा क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने, आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल और सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय पर भी चर्चा हुई।

सरकार का मानना है कि अवैध निर्माण हटाने से घुसपैठ, तस्करी और अन्य संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सकेगा। केंद्र सरकार के इस फैसले को राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

जीरो टॉलरेंस नीति के तहत हटाए जाएंगे अवैध निर्माण

अमित शाह ने साफ कहा कि जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अवैध निर्माण तुरंत ध्वस्त हो। उन्होंने राजस्थान में इंटरनेशनल बॉर्डर से जुड़े जिलों में हो रहे घुसपैठ और ड्रग्स तस्करी रोकने को बड़ा एक्शन प्लान की बात भी कही। BSF, NCB, CBDT और राज्य एजेंसियां मिलकर संयुक्त बॉर्डर मैनेजमेंट करेंगी।

डीएम को मिले बड़े अधिकार

अमित शाह के आदेश के बाद बॉर्डर जिलों के डीएम को बड़े अधिकार मिले। डीएम अवैध निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई पर फैसले लेंगे। फर्जी कंपनियों और म्यूल अकाउंट्स पर भी कार्रवाई होगी। नकली आधार कार्ड और संदिग्ध फंडिंग की जांच के निर्देश भी दिए गए। साइबर क्राइम रोकने के लिए '1930% हेल्पलाइन के प्रभावी इस्तेमाल पर जोर देने की बात कही गई है।

नए आपराधिक कानूनों के सख्त क्रियान्वयन के निर्देश

राजस्थान के 5 बॉर्डर जिलों के DM-SP के साथ अमित शाह की अहम बैठक हुई। जिसमें अमित शाह ने बॉर्डर की सुरक्षा को लेकर अहम निर्देश दिए।

इससे पहले बिहार के सीमांचल में इसी तरह की कार्यवाही की गई। सीमांचल में अबतक लाखों अवैध रूप से निर्मित संपत्ति को ध्वस्त किया जा चुका है।

संक्षिप्त न्यूज

हरियाणा में पेयजल संकट पर सरकार सख्त

लापरवाही पर अधिकारियों पर कार्रवाई

चंडीगढ़ (एएम नाथ)– हरियाणा में बढ़ती गर्मी और संभावित पेयजल संकट को देखते हुए सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवार ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रदेशभर में बिना रुकावट स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मंत्री ने विभागीय बैठक के दौरान पेयजल व्यवस्था, जल संरक्षण, जल निकासी और फ्लड सीजन की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को फील्ड में सक्रिय रहकर आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में रणबीर गंगवा ने साफ कहा कि पेयजल आपूर्ति में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में हांसी और चरखी दादरी के दो एसडीओ और दो जेई को निलंबित किया गया है, जबकि आदमपुर के एक एसडीओ और एक जेई को चार्जशीट किया गया है। मंत्री ने कहा कि सरकार का विशेष फोकस पानी की बर्बादी रोकने, जल संरक्षण बढ़ाने और हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने पर है। उन्होंने अधिकारियों को जल आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों का तुरंत समाधान करने और किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरतने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही जनस्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की छुट्टियां भी रद्द कर दी गई हैं। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को मुख्यालय पर मौजूद रहने के निर्देश दिए गए हैं ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

असम विधानसभा में UCC विधेयक पास

समान कानून लागू करने की दिशा में बड़ा कदम

नई दिल्ली (एएम नाथ)– असम विधानसभा ने बुधवार को UCC विधेयक पारित कर दिया। इस विधेयक का उद्देश्य विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशन को नियंत्रित करने के लिए धर्म की परवाह किए बिना एक समान कानूनी ढांचा स्थापित करना है, जबकि विपक्ष ने मांग की थी कि इसे प्रवर समिति के पास भेजा जाए। इस प्रस्तावित कानून के पारित होने के साथ ही, असम, उत्तराखंड और गुजरात के बाद समान नागरिक संहिता विधेयक पारित करने वाला तीसरा राज्य बन गया है। गोवा में भी एक समान नागरिक कानून लागू है, जो पूर्ववर्ती पुर्तगाली औपनिवेशिक काल से चला आ रहा है। समान नागरिक संहिता, असम, 2026 विधेयक पर दिन भर चली चर्चा के बाद, अध्यक्ष रंजीत कुमार दास ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इसे पारित कराने के लिए सदन में पेश करने को कहा।

दास ने विपक्ष की उस मांग को खारिज कर दिया जिसमें विधेयक को व्यापक विचार-विमर्श के लिए एक प्रवर समिति के पास भेजने की बात कही गई थी। इसके विरोध में विपक्षी सदस्य सदन के वेल में आ गए और विधेयक पारित होने तक लगातार नारेबाजी करते रहे। सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा लगातार भारत माता की जय और जय श्री राम के नारे लगाए जाने के बीच, अध्यक्ष ने विधेयक ध्वनि मत से पारित करने के लिए सदन के समक्ष रखा। सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा विधेयक के पक्ष में मतदान किए जाने के बाद, अध्यक्ष ने घोषणा की, मैं घोषणा करता हूं कि विधेयक पारित हो गया है। विधेयक पारित होते ही, सदन जोरदार तालियों की गड़गड़ाहट के साथ इसका स्वागत किया गया।

नीट का री-एग्जाम 21 जून को, 550 शहरों में होंगे 5400 से अधिक परीक्षा केंद्र

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने की तैयारियों की समीक्षा, परीक्षा सुरक्षा और पारदर्शिता पर जोर

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
27 मई (एएम नाथ)

NEET-UG 2026 की री-एग्जाम प्रक्रिया को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इसरो के पूर्व अध्यक्ष के. राधाकृष्णन के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर परीक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में री-एग्जाम को निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से आयोजित करने पर विस्तार से चर्चा हुई।

डॉ. के. राधाकृष्णन, जो NTA पर लागू सिफारिशों की निगरानी के लिए गठित हाई पावर्ड स्टीयरिंग कमेटी के अध्यक्ष हैं, ने भी तैयारियों की स्थिति की जानकारी दी। बैठक में उच्च शिक्षा सचिव, NTA के महानिदेशक और शिक्षा मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

इस दौरान परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी तंत्र को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परीक्षा केंद्रों पर छात्रों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और उन्हें तनाव-मुक्त माहौल मिले।

जानकारी के अनुसार, NEET-UG 2026 की री-एग्जाम 21 जून को आयोजित की जाएगी। इसके लिए देशभर के करीब 550 शहरों में 5400 से अधिक परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

14 जून तक प्रवेश पत्र मिल जाएगा – राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) की पुन: परीक्षा 21 जून को आयोजित की जाएगी। अनियमितताओं के आरोपों के मद्देनजर सुधारों के तहत अगले वर्ष से मेडिकल प्रवेश परीक्षा कंप्यूटर आधारित होगी। पुन: परीक्षा की अवधि 15 मिनट बढ़ा दी गई है और उम्मीदवारों को परीक्षा के लिए अपनी सुविधा के अनुसार शहर चुनने का मौका फिर से मिलेगा और उन्हें 14 जून तक प्रवेश पत्र मिल जाएगा।

राशन कार्ड सिस्टम से अपात्र लाभार्थी हटाए जाएंगे

पीडीएस सिस्टम में 3 बड़े सुधारों को मंजूरी

नई दिल्ली (एएम नाथ)– केंद्र सरकार ने पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (PDS) को लेकर बड़े बदलाव कर दिए हैं। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में इन बदलावों को मंजूरी दी गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट मीटिंग के बाद बताया कि एक अहम फैसला लिया गया है कि PDS को आधुनिक बनाने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इसके लिए तीन बड़े बदलाव किए गए हैं। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इसके लिए सार्थक PDS सिस्टम को मंजूरी दे दी गई। इस योजना के लिए 25,530 करोड़ रुपये रखे गए हैं, जिसके लिए 5 साल की डेडलाइन रखी गई है। AI और टेक्नोलॉजी की मदद से सिस्टम को आधुनिक बनाया जाएगा और राशन कार्ड से अपात्र लाभार्थियों को हटाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसमें टेक्नोलॉजी से जुड़े तीन एलिमेंट शामिल होंगे। पहला है निर्मल, जो PDS लाभार्थियों से जुड़ा है। दूसरा है आशा, जो शिकायत को सुलझाने के लिए AI इनेबल सिस्टम है।और तीसरा है सक्षम, जो सप्लाई चेन से जुड़ा है।

पेट्रोल, डीजल और [illegible] की घबराहट में न करें खरीदारी!

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
27 मई (एएम नाथ)

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच केंद्र सरकार ने कहा है कि देश में जरूरी सामानों की कोई कमी नहीं है। सरकार ने लोगों से पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की घबराहट में ज्यादा खरीदारी नहीं करने की अपील की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अगुवाई में पश्चिम एशिया पर बने मंत्रियों के अनौपचारिक समूह की बैठक नई दिल्ली में हुई। बैठक में देश में जरूरी वस्तुओं की उपलब्धता और सप्लाई चेन की स्थिति की समीक्षा की गई।

बैठक में कई केंद्रीय मंत्री शामिल हुए। इनमें जे पी नड्डा, हरदीप सिंह पुरी, अश्वनी वैष्णव और किरेन रिजिजू भी मौजूद रहे। बैठक के बाद रक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि देश में सप्लाई की स्थिति सामान्य है। उन्होंने कहा कि सरकार हर जरूरी चीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है।

मंत्रियों के समूह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की भी सराहना की। समूह ने कहा कि वैश्विक संकट के बावजूद आम लोगों पर असर कम रखने की कोशिश की जा रही है। सरकार ने बताया कि देश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा तेल रिफाइनिंग देश है। देश की रिफाइनिंग क्षमता घरेलू जरूरत से ज्यादा है। इसी वजह से सप्लाई में किसी तरह की कमी नहीं है।

सरकार के मुताबिक, सरकारी तेल कंपनियां अभी अंतरराष्ट्रीय कीमतों का पूरा बोझ आम ग्राहकों पर नहीं डाल रही हैं। कंपनियां हर दिन करीब 550 करोड़ रुपये का नुकसान उठाकर राहत दे रही हैं। हालांकि, सरकार ने यह भी कहा कि कुछ औद्योगिक उपभोक्ता सस्ते खुदरा ईंधन का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ जगहों पर कालाबाजारी की शिकायतें भी मिली हैं।

गुजरात में इबोला का संदिग्ध मरीज

क्वारंटीन कर अस्पताल में कराया गया भर्ती, पहली जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई

अहमदाबाद (ब्यूरो)– गुजरात में इबोला का एक संदिग्ध मरीज सामने आया है। हाल ही में कांगो से लौटे एक व्यक्ति में इबोला के लक्षण दिखाई दिए हैं। संदिग्ध मरीज को क्वारंटीन कर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सरकार ने बताया कि संदिग्ध व्यक्ति में तेज बुखार जैसे लक्षण पाए गए थे।

जानकारी के मुताबिक, गुजरात में इबोला का पहला संदिग्ध मामला सामने आया है। संदिग्ध मरीज कांगो का ही रहने वाला है। उन्होंने हाल ही में कांगो से मुंबई तक का सफर किया था। इसके बाद वह वडोदरा एयरपोर्ट पर पहुंचे, जहां उनकी जांच हुई तो इबोला के लक्षण दिखाई दिए। संदिग्ध मरीज को अहमदाबाद सिविल अस्पताल में क्वारंटीन कर भर्ती कराया गया है। गुजरात सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि संदिग्ध व्यक्ति में तेज बुखार जैसे लक्षण पाए गए थे। सूत्रों ने बताया कि उनकी पहली जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई है। अभी कुछ जांचें भी की जाएंगी। सभी जांच रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी जाएगी। फिलहाल उन्हें अहमदाबाद सिविल अस्पताल के भीतर बनाए गए एक स्पेशल इबोला वार्ड में भर्ती रखा गया है।

धर्मशाला में IPL 2026 से हिमाचल की अर्थव्यवस्था को मिला बड़ा संबल : अनुराग ठाकुर

» प्रथम न्यूज । धर्मशाला
27 मई (एएम नाथ)

सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि धर्मशाला में आयोजित आईपीएल 2026 के मुकाबलों ने हिमाचल प्रदेश, विशेषकर धर्मशाला, कांगड़ा, मैक्लोडगंज, पालमपुर और आसपास के क्षेत्रों की स्थानीय अर्थव्यवस्था को बड़ा प्रोत्साहन दिया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने छोटे पहाड़ी राज्य हिमाचल में क्रिकेट को नई पहचान देने के साथ-साथ खेल पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का ऐतिहासिक कार्य किया है।

अनुराग ठाकुर ने अरुण धुमाल तथा बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया का आभार जताते हुए कहा कि अरुण धूमल के प्रयासों से इस बार हिमाचल प्रदेश को आईपीएल के चार मुकाबलों की मेजबानी का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों और हिमाचल के अलग-अलग जिलों से पहुंचे दर्शकों ने मैचों का भरपूर आनंद लिया। ऐसे बड़े आयोजन न केवल प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देते हैं, बल्कि हिमाचली संस्कृति और पर्यटन को भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाते हैं। सांसद ने आईपीएल मुकाबलों के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, यातायात प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य प्रशासनिक एजेंसियों की सराहना करते हुए कहा कि सभी संस्थाओं ने बेहतर समन्वय और कुशल प्रबंधन के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन को सफल बनाया। उन्होंने कहा कि धर्मशाला में आयोजित मुकाबलों से होटल, होम-स्टे, टैक्सी, रेस्टोरेंट, स्थानीय व्यापार, हस्तशिल्प, परिवहन और पर्यटन क्षेत्र में करोड़ों रुपये का कारोबार हुआ।

जम्मू के लड़के को ISI ने हनी ट्रैप में फंसाया

आर्मी बंकरों समेत डिफेंस एरिया की तस्वीर मांगी, अब गिरफ्तार

» प्रथम न्यूज । जम्मू
27 मई (ब्यूरो)

जम्मू के बाहरी इलाके में सरहद पर बसे गांव मकवाल के एक 23 साल के स्कूल ड्रॉपआउट लड़के को हनी-ट्रैप में फांसकर पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस यानी ISI जासूसी कराती थी। इस आरोप में उसे गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी करण को कुछ महीने पहले स्नैपचैट पर एक महिला ISI ऑपरेटिव ने फंसाया था। एजेंट ने खुद को पंजाब में तैनात BSF का जवान बताया और लगातार चैट और अश्लील वीडियो कॉल करके धीरे-धीरे उसका भरोसा जीत लिया।

जब उसे यकीन हो गया कि करण उसके झांसे आ गया है, तो उसने उससे परिवार के एक सदस्य का व्हाट्सएप OTP मांगा, यह दावा करते हुए कि उसका ट्रांसफर राजौरी के सुंदरबनी सेक्टर में हो गया है, जहां मोबाइल कनेक्टिविटी खराब है। किसी गड़बड़ी का शक किए बिना, करण ने अपनी मां का OTP शेयर कर दिया, जिससे हैंडलर को अकाउंट का एक्सेस मिल गया।

इसके बाद ऑपरेटिव ने उसे जम्मू के पास आर्मी बंकरों, डिफेंस जगहों और फ्लाईओवर ब्रिज की तस्वीरें और वीडियो भेजने के लिए उकसाया। तस्वीरों के पहले बैच के लिए, कथित तौर पर करण को उसके बैंक अकाउंट में ?2,000 मिले। जब उसने और मांग की तो मिलिट्री इंटेलिजेंस को शक हुआ।

सूत्रों ने बताया कि मिलिट्री इंटेलिजेंस ने उस पर खुफिया निगरानी रखी थी। उसकी जासूसी गतिविधियों की पुष्टि होने के बाद, आर्मी ने जम्मू पुलिस को अलर्ट किया। फिर एक जॉइंट टीम ने मकवाल से करण को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया है और उसके सोशल मीडिया अकाउंट और डिजिटल फुटप्रिंट की जांच कर रही है। पूछताछ के दौरान, उसने कथित तौर पर सेंसिटिव मटीरियल शेयर करने की बात कबूल की। केस दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच चल रही है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
पंजाब न्यूज
Website : www.prathamnews.in

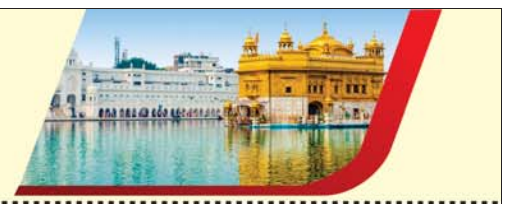

संक्षिप्त न्यूज

एनपीएस कर्मचारी कुंभ करणी की सुस्ती में सो रही पंजाब सरकार को जगाने के लिए 28 मई को होने वाले विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे : वेद राज, कुलदीप वालिया

जालंधर 27 मई (कुलदीप सिंह) – पंजाब सरकार के झूठे वादों से तंग आकर, पंजाब भर में 2004 के बाद भर्ती हुए एनपीएस कर्मचारियों ने समय की मांग को ध्यान में रखते हुए, इस मुद्दे पर लंबे समय से संघर्ष कर रहे तीन संगठनों – ओल्ड पेंशन रेस्टोरेशन संघर्ष कमेटी पंजाब, सीपीएफ एम्प्लॉई यूनियन और ओल्ड पेंशन प्रतिपति मोर्चा – के नेताओं, जिनमें जालंधर जिला संयोजक वेद राज गढ़ा और दिलबाग सिंह शामिल हैं, ने ओल्ड पेंशन रेस्टोरेशन जॉइंट फोरम के बैनर तले सरकार के खिलाफ संघर्ष का बिगुल बजा दिया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए नेताओं ने कहा कि पंजाब सरकार ने पुरानी पेंशन बहाल करने के अपने चुनावी वादे से मुकर गई है और चार साल बीत जाने के बाद भी वह पुरानी पेंशन बहाल करने के लिए 18 नवंबर 2022 की अपनी ही अधिसूचना को लागू करना भूल गई है। इस समय, वृद्ध पेंशन बहाली संघर्ष समिति के सलाहकार कुलदीप वालिया ने कहा कि सरकार के वादे के विरोध में, वृद्ध पेंशन बहाली संयुक्त मंच के निर्णय के अनुसार, जालंधर जिले के एनपीएस कर्मचारी 28 मई को पीयूडीए मैदान में उपायुक्त जालंधर कार्यालय के सामने इकट्ठा होंगे, भैंस के झंडे के सामने वीणा बजाकर पंजाब सरकार के खिलाफ %सोए हुए कुंभकर्णी को जगाने% का प्रयास करेंगे और जोरदार नारे लगाकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। नेताओं ने कहा कि पंजाब सरकार अब कर्मचारियों की मांगों को नजरअंदाज कर रही है और लगातार अनदेखी कर रही है। 4 जुलाई को मोगा में एक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा और उनकी कुर्सियां भी लगाई जाएंगी ताकि वे कर्मचारियों के ज्वलंत मुद्दों पर अपने विचार साझा कर सकें। यदि मुख्यमंत्री और पंजाब राज्य मंत्री इस सम्मेलन में नहीं आते हैं, तो वृद्ध पेंशन बहाली संयुक्त मंच द्वारा 23 अगस्त को गांव सतोज में एक भव्य रैली का आयोजन किया जाएगा। जिसके लिए कर्मचारियों ने ब्लॉक स्तर से तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस अवसर पर प्रेम खलवाड़ा, संदीप राजोवाल, अमरजीत भगत, कुलवीर कुमार, रमन कुमार, रविंदर कुमार, हरविंदर दास, सुशील कुमार, राजेश भट्टी, राकेश कुमार, प्रदीप कुमार, मनदीप कुमार, राकेश ठाकुर आदि उपस्थित थे।

एमए अर्थशास्त्र के पहले और तीसरे सेमेस्टर का नतीजा शानदार

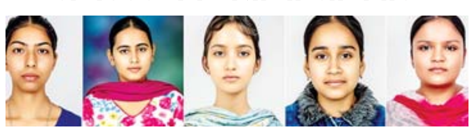

होशियारपुर / माहिलपुर (तरसेम दीवाना) – पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ द्वारा घोषित नतीजों में यहां के श्री गुरु गोबिंद सिंह खालसा कॉलेज माहिलपुर में चल रहे कोर्स एमए अर्थशास्त्र के सेमेस्टर पहला और तीसरा का नतीजा शानदार रहा है। इस बारे में जानकारी देते हुए कॉलेज के प्रिंसिपल डा. परविंदर सिंह और अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुख प्रोफेसर जसविंदर सिंह ने बताया कि एमए अर्थशास्त्र के तीजा सेमेस्टर में छात्रा पायल ने 83.5 फीसदी अंकों के साथ पहला, छात्रा अनीता बाली ने 81.7 फीसदी अंकों के साथ दूसरा स्थान और छात्रा नवजोत ने 78.2 फीसदी अंक प्राप्त करके तीसरा स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि एम ए अर्थशास्त्र के पहले सेमेस्टर के नतीजे में छात्रा सोहानी जसवाल ने 81 फीसदी अंकों के साथ पहला और छात्रा सानिया ने 78.2 फीसदी अंक हासिल करके दूसरा स्थान प्राप्त किया है। इस मौके पर प्रिंसिपल सहित अर्थशास्त्र विभाग के अन्य अध्यापकों ने भी विद्यार्थियों को अच्छे नतीजों के लिए शुभकामनाएं दीं।

टीबीएस इंटरनेशनल स्कूल में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया

जीरा, 27 मई (अंग्रेज बराड़) – फिरोजपुर-मोगा रोड पर स्थित टीबीएस इंटरनेशनल स्कूल फिरोजशाह के अध्यक्ष डॉ. हीरालाल शर्मा, उपाध्यक्ष विभोर शर्मा, प्रबंध निदेशक दीपाली शर्मा और महासचिव शिवम शर्मा के मार्गदर्शन में अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) का आयोजन किया गया। स्कूल की प्रधानाध्यापिका रेखा पासी ने जानकारी देते हुए बताया कि पीटीएम का उद्देश्य अभिभावकों को पीटी-1 परीक्षा के परिणामों से अवगत कराना था। अभिभावकों को छात्रों द्वारा परीक्षा में प्राप्त अंकों और कक्षा में उनके प्रदर्शन के बारे में बताया गया। बैठक के दौरान बच्चों और उनके अभिभावकों के साथ ग्रीष्मकालीन अवकाश के गृहकार्य पर भी चर्चा की गई। उन्होंने आगे कहा कि पीटीएम का उद्देश्य अभिभावकों को उनके बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना है, ताकि वे उच्च स्तर तक पहुंच सकें। इसके अलावा, बच्चों की शिक्षा के संबंध में शिक्षकों और अभिभावकों के बीच समन्वय भी बेहतर परिणाम प्राप्त करने में सहायक होता है। उन्होंने छात्रों को आगामी मासिक परीक्षाओं और टर्म-1 परीक्षाओं के लिए अधिक लगन और मेहनत से पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर स्कूल स्टाफ और बच्चों के अभिभावक उपस्थित थे।

पंजाब में नशे और गैंगस्टर नेटवर्क पर बड़ा एक्शन

भगवंत मान सरकार के तहत पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
27 मई (ब्यूरो)

नशे के अपराध के खिलाफ जारी अभियान में पंजाब पुलिस को लगातार कामयाबी मिल रही है। हर रोज बड़ी संख्या में नशीले पदार्थों की बरामदगी हो रही है, तो वहीं 64 से अधिक ड्रग्स तस्कर की अभी तक गिरफ्तारी हो चुकी है। गौरतलब है कि सीएम भगवंत मान की अगुवाई में राज्य तेजी से विकास कर रहा है।

जिसका फायदा राज्य के लोगों को लगातार मिल रहा है। वहीं अगर राज्य की बात करें तो अपराध के खिलाफ भी लगातार कार्रवाई की जा रही है। हर दिन जगह-जगह पर छापेमारी की जा रही है। साथ ही अपराधियों की गिरफ्तारी की जा रही है। गैंगस्टर ते वार के तहत अभी तक 32 हजार से अधिक अपराधियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

पंजाब पुलिस इंडिया ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि ॐपंजाब पुलिस ने, पंजाब एंटी-गैंगस्टर फोर्स (तझस्र) ??के समन्वय से, राज्य भर में चिन्हित और निर्धारित स्थानों पर लक्षित छापे मारकर गैंगस्टर नेटवर्क के विरुद्ध राज्यव्यापी

निर्णायक कार्रवाई जारी रखी। 509 छापे मारे गए, 229 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। 3 घोषित अपराधियों को पकड़ा गया।

10 हथियार बरामद किए गए। इसके साथ ही, अभियान शुरू होने के बाद से कुल गिरफ्तारियों की संख्या 32,187 हो गई है। पंजाब पुलिस गैंगस्टर नेटवर्क को खत्म करने और पंजाब को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। गुमनाम रूप से जानकारी साझा करें-एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन - 93946-93946 पर कॉल कर सकते है।

नशे के खिलाफ भी पंजाब पुलिस का ताबड़तोड़ एक्शन

नशे के खिलाफ भी पंजाब पुलिस का ताबड़तोड़ एक्शन जारी है। जिसका सीधा असर देखने को मिल रहा है। हर रोज बड़ी संख्या में नशीले पदार्थों की बरामदगी की जा रही है। तो वहीं अभी तक 64 हजार से अधिक ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार किए जा चुके है। इसके अलावा बॉर्डर पार से होने वाली ड्रग्स तस्करी पर भी काफी हद तक लगाम लग चुकी है। साथ ही राज्य में नशे को लेकर कमी देखी जा रही है। यह साफ है कि सीएम भगवंत मान की अगुवाई में राज्य तरक्की की और अग्रसर है।

लुधियाना में विजिलेंस की बड़ी कार्रवाई

ASI रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

» प्रथम न्यूज । लुधियाना
27 मई (ब्यूरो)

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के दौरान पुलिस थाना डिवीजन संख्या-8, लुधियाना में तैनात सहायक उपनिरीक्षक हरदीप सिंह को 14 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ काबू किया है।

राज्य विजिलेंस ब्यूरो के सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को गोपाल नगर, हैबोवाल कलां, लुधियाना निवासी एक व्यक्ति द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार

किया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता के अनुसार उसकी लगभग 22 वर्षीय पुत्री, जिसने सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) लुधियाना से सिलाई का पाठ्यक्रम उत्तीर्ण किया था, अपना परिणाम लेने के लिए सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान घुमार मंडी गई थी, लेकिन वह शाम तक घर वापस नहीं लौटी। शिकायतकर्ता ने अपने स्तर पर उसकी तलाश की, परंतु उसकी पुत्री नहीं मिली। इसके बाद शिकायतकर्ता ने अपनी पुत्री के लापता होने संबंधी रिपोर्ट पुलिस थाना डिवीजन संख्या-8, लुधियाना में ड्यूटी अधिकारी सहायक उपनिरीक्षक हरदीप सिंह के पास दर्ज कराई।

आरोप है कि आरोपी सहायक उपनिरीक्षक ने शिकायतकर्ता को थाने बुलाया और उसकी शिकायत पर कार्रवाई करने के लिए 20 हजार रुपये की रिश्वत मांगी तथा मौके पर ही उससे 6 हजार रुपये भी ले लिए।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के बाद पुलिस थाना डिवीजन संख्या-08, लुधियाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। इसके बाद आरोपी सहायक उपनिरीक्षक हरदीप सिंह ने शिकायतकर्ता से प्राथमिकी की प्रति देने तथा मामले में आगे कार्रवाई करने के लिए शेष 14 हजार रुपये देने को कहा। रिश्वत देने के लिए तैयार न होने पर शिकायतकर्ता ने विजिलेंस ब्यूरो रेंज लुधियाना से संपर्क किया। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया, जिसके दौरान आरोपी सहायक उपनिरीक्षक को दो सरकारी गवाहों की उपस्थिति में शिकायतकर्ता से 14 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया।

इस संबंध में आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत विजिलेंस ब्यूरो के लुधियाना पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है तथा आगे की जांच जारी है।

रणवीर सचदेवा ने स्पेशल बच्चों के साथ मनाया जन्मदिन दिन, सेवा का दिया संदेश

» प्रथम न्यूज । होशियारपुर
27 मई (तरसेम दीवाना)

जे.एस.एस.आशा किरण स्पेशल स्कूल जहानखेला में आज एक प्रेरणादायक समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें आशादीप वेलफेयर सोसायटी के पेटर्न परमजीत सिंह सचदेवा और उनके परिवार द्वारा अपने सुपुत्र रणबीर सिंह सचदेवा के जन्मदिन पर विशेष बच्चों के साथ खुशियाँ सांझा की गईं। इस अवसर पर स्कूल के स्पेशल बच्चों, स्कूल स्टाफ, डिप्लोमा विद्यार्थियों तथा आशादीप वेलफेयर सोसायटी के सदस्यों के लिए लंगर का प्रबंध किया गया। कार्यक्रम के दौरान परमजीत सिंह सचदेवा एंव उनके परिवार ने स्पेशल बच्चों के साथ मिलकर केक काटा और जन्मदिन मनाया। इस मौके बच्चों ने भी पूरे उत्साह, उमंग और खुशी के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर रणबीर सिंह सचदेवा के मित्र दिरेज बलचंदानी द्वारा स्कूल के लिए 11,000 रुपये की राशि दान स्वरूप भेंट की गई। इस सहयोग के लिए स्कूल प्रबंधन तथा

आशादीप वेलफेयर सोसायटी ने उनका विशेष धन्यवाद किया। समारोह को संबोधित करते हरबंस सिंह ने कहा कि स्पेशल बच्चों के साथ समय बिताना और उनकी खुशियों में सहभागी बनना एक महान सेवा है। उन्होंने परमजीत सिंह सचदेवा, दिरेज बलचंदानी तथा उनके परिवार का धन्यवाद करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक कार्य समाज को मानवता और सेवा की भावना से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि आशा किरण स्पेशल स्कूल हमेशा से स्पेशल बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करता आ रहा है और समाज के सहयोग से बच्चों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने अन्य समाजसेवियों से भी अपील की कि वे आगे आकर विशेष बच्चों के जीवन में खुशियाँ बाँटने का कार्य करें।

इस अवसर पर परमजीत सिंह सचदेवा की माता श्रीमती इंदरजीत कौर, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती डिंपी सचदेवा, पुत्रवधू तनीषा, तथा पौत्रियाँ तमारा और रिशील विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इसके अलावा आशादीप वेलफेयर सोसायटी के सेक्रेटरी कर्नल गुरमीत सिंह, मलकीयत सिंह महेड़ू, हमेश तलवाड़,राम आसा, हरीश ठाकुर, श्रीमती अनीता तलवाड़, सिनिट्टा बलचंदानी, शशांक बाली, वोइला गुलाटी, सानिन बाली, आयरा बलचंदानी, स्कूल की प्रिंसीपल श्रीमती शेली शर्मा, प्रेम कुमार तथा वाइस प्रिंसीपल इंदु बाला भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने विशेष बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा समाज में प्रेम, सहयोग और सेवा भावना को बढ़ावा देने का संदेश दिया।

सर्वहितकारी विद्या मंदिर में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई

जीरा, 27 मई (अंग्रेजी बराड़) – आज स्वामी स्वते प्रकाश सर्वहितकारी विद्या मंदिर जीरा में विद्यालय प्रबंधन समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में विद्यालय के विकास, विद्यार्थियों के लिए सुविधाओं और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर विद्यालय अध्यक्ष श्री सुखदेव बिट्टू विजय, उपाध्यक्ष श्रीमती सुमन बंसीवाल, संरक्षक श्री सुभाष गुप्ता और सदस्य श्री सतीश मोहन विशेष रूप से उपस्थित थे। इसके अलावा, दोनों विद्यालयों की प्रधानाचार्याएं श्रीमती प्रवीण बाला और श्रीमती पूनम शर्मा भी बैठक में शामिल हुईं। बैठक के दौरान विद्यालय के शिक्षा स्तर को और ऊपर उठाने, विद्यार्थियों के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने और विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए कई महत्वपूर्ण विचार साझा किए गए। समिति के सदस्यों ने विद्यालय की प्रगति के लिए हर संभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया।

किसानों और मजदूरों के भविष्य को तबाही की ओर धकेल रही हैं सरकार की नीतियां : किसान मजदूर संघर्ष कमेटी

गुरदासपुर के गांव बोहड़ वडाला में किसान मजदूर संघर्ष कमेटी की जनरल बॉडी की हुई अहम बैठक

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
27 मई (संदीप सन्नी)

किसान मजदूर संघर्ष कमेटी पंजाब के जोन तेजा सिंह स्वतंत्र और जोन बाबा बंदा सिंह बहादुर जी की जनरल बॉडी की एक विशेष बैठक जिला गुरदासपुर के गांव बोहड़ वडाला स्थित बाबा श्री चंद जी के गुरुद्वारा साहिब में आयोजित की गई।

यह बैठक जोन प्रधान निर्मल सिंह आदियां और जोन बाबा बंदा सिंह बहादुर के प्रधान देसा सिंह की अगुवाई में संपन्न हुई। इस बैठक में संगठन के प्रदेश संगठनात्मक सचिव हरविंदर सिंह मसाणियां और जिला प्रेस सचिव सुखदेव सिंह अल्लड़पिंडी विशेष रूप से शामिल हुए। बैठक की पूरी कार्यवाही कोषाध्यक्ष सतनाम सिंह द्वारा संचालित की गई।

देश की मंडियों को अमेरिका के हवाले करने की तैयारी

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश संगठनात्मक सचिव हरविंदर सिंह मसाणियां ने केंद्र सरकार की किसान-मजदूर विरोधी नीतियों पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि सरकार %बीज संशोधन बिल 2025% और %बिजली संशोधन बिल 2025 लाकर, तथा अमेरिका के साथ टैक्स-फ्री समझौता करके देश की मंडियों को मुफ्त में अमेरिकी कॉर्पोरेट्स के हवाले करने जा रही है। इन नीतियों के कारण देश के किसानों और मजदूरों का भविष्य पूरी तरह तबाही की ओर बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि देश इस समय अनिश्चितता और घोर निराशा के दौर से गुजर रहा है।

निर्णायक संघर्ष के लिए तैयार रहने की अपील : बैठक के दौरान संगठन के फंडों और आगामी रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। किसान नेताओं ने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में अपनी मांगों और अधिकारों की रक्षा के लिए तीखे व निर्णायक संघर्षों का सामना करना पड़ेगा, जिसके लिए सभी कार्यकर्ताओं और किसान-मजदूरों को अभी से कमर कसनी होगी।

बैठक में ये रहे मौजूद

इस मौके पर सीनियर नेताओं के अलावा जतिंदर सिंह चीमा, जपकीरत हुंदल, सुच्चा सिंह बलगन, जसबीर सिंह अल्लड़पिंडी, करनैल सिंह मल्ली, नरिंदर सिंह आली नंगल, रणबीर सिंह डुगरी, नरिंदर सिंह अमीपुर, गुरप्रीत सिंह दोस्तपुर, सुखजिंदर सिंह बाजवा और हरभजन सिंह चौड़ा आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

पीएम श्री स्कूल में करियर काउंसलिंग सत्र आयोजित, छात्राओं को मिला नया आत्मविश्वास

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
27 मई (संदीप सन्नी)

पीएम श्री सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल (लड़कियां), गुरदासपुर में एक विशेष करियर गाइडेंस और प्रेरणादायक काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व जिला गाइडेंस काउंसलर मुकेश वर्मा ने किया, जबकि उनके साथ काउंसलर वीरेंद्र कुमार, सुखदेव सिंह और सतबीर सिंह भी मौजूद रहे।

काउंसलर मुकेश वर्मा ने छात्राओं को 12वीं के बाद उपलब्ध विभिन्न करियर विकल्पों, प्रतियोगी परीक्षाओं, तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा और रोजगारोन्मुखी क्षेत्रों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार सही समय पर करियर चुनने के लिए प्रेरित किया।

सत्र के दौरान छात्राओं ने भविष्य को लेकर कई सवाल पूछे, जिनका विशेषज्ञ

टीम ने बेहद सरल ढंग से समाधान किया। इसके साथ ही स्कूल में स्थापित गाइडेंस कॉर्नर का भी निरीक्षण किया गया ताकि छात्राओं को नियमित रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की नई जानकारी मिलती रहे। जिला शिक्षा अधिकारी परमजीत कौर ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को समय पर सही दिशा देना शिक्षा विभाग की मुख्य प्राथमिकता है।

बहल ने वार्ड नंबर 25 से मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा के तहत श्रद्धालुओं की बस रवाना की

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
27 मई (संदीप सन्नी)

गुरदासपुर के हलका इंचार्ज रमन बहल ने गुरदासपुर के वार्ड नंबर 25 से मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत श्रद्धालुओं की बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उनके साथ चेयरमैन भारत भूषण शर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

श्रद्धालुओं को दी शुभकामनाएं- इस मौके पर रमन बहल ने कहा कि उन्हें यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि हमारे बुजुर्ग और परिवार अब बिना किसी खर्च के पवित्र धार्मिक स्थलों के दर्शन कर पा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार की यह पहल न केवल लोगों को धार्मिक आस्था के साथ जोड़ रही है, बल्कि उनके तीर्थ यात्रा के सपनों को हकीकत में बदल रही है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को सुखद

और मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं।

यात्रा का विवरण- बहल ने बताया कि इस योजना के तहत लोगों को विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन करवाए जा रहे हैं। रवाना हुई यह बस तीन दिनों की यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को निम्नलिखित स्थानों के दर्शन करवाएगी-

-श्री आनंदपुर साहिब
-तख्त श्री केसगढ़ साहिब
-विरासत-ए-खालसा
-श्री कीरतपुर साहिब
-माता नैना देवी जी

श्रद्धालुओं ने जताया आभार : यात्रा पर जा रहे श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री पंजाब और बहल का धन्यवाद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ योजना ने आम जनता में खुशी का माहौल पैदा किया है। बुजुर्गों ने बताया कि वे इन पवित्र स्थानों के दर्शनों के लिए बहुत उत्साहित हैं।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

हिमाचल पंचायत चुनाव : चनोल में फिर चला बहू-ससुर की जोड़ी का जादू, तीसरी बार हासिल की जीत

मंडी (ब्यूरो)– लोकतंत्र की सबसे खूबसूरत और अटूट परंपरा की गवाह एक बार फिर सुंदरनगर उपमंडल की चनोल पंचायत बनी है। यहां की जनता ने किसी दल या वादे पर नहीं,

बल्कि सेवा और सादगी के उस संगम पर भरोसा जताया है। जिसे बहू और ससुर की जोड़ी ने पिछले कई दशकों से सींचा है। मंगलवार को पंचायत चुनाव के पहले चरण में इस जोड़ी ने एक बार फिर पंचायत की कमान अपने हाथों में ले ली है।

बहू नीलम ठाकुर ने अपनी प्रतिद्वंद्वी को 196 मतों के भारी अंतर से शिकस्त देकर प्रधान पद पर कब्जा किया, जबकि उनके ससुर शंकर सिंह ने अपनी सादगी और बेदाग कार्यप्रणाली के दम पर 41 मतों से जीत दर्ज कर विरोधियों को पछाड़ दिया।

2010 व 15 में भी जीत चुके

साल 2010 में भी चनोल की जनता ने नीलम को प्रधान और शंकर सिंह को उप-प्रधान चुना था। साल 2015 में बहू नीलम ने जिला परिषद डैहर वार्ड से जीत का परचम लहराया तो ससुर ने उप-प्रधान की सीट संभाली।

90 वर्ष की आयु और 50 साल की सेवा

आगामी 30 जून को अपने जीवन के 90 वर्ष पूरे करने जा रहे शंकर सिंह पिछले 50 सालों से पंचायत की धड़कन बने हुए हैं। शंकर सिंह ने महज 36 वर्ष की उम्र में साल 1973 में तत्कालीन नालग पंचायत से अपने सियासी सफर का आगाज किया था। सिर्फ तीन बार सीट महिलाओं और अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित होने के कारण वो दूर रहे, वरना जीत हमेशा उनके कदम चूमती रही। चनोल पंचायत का बच्चा-बच्चा शंकर सिंह की मीठी भाषा, नेक दिल इंसानियत और विकास कार्यों की मेहनत का मुरीद है।

दूसरे चरण के चुनाव में 1 लाख 8 हजार 369 मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग

बिलासपुर, (जितेंद्र गौतम)– जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने कहा कि जिला बिलासपुर में पंचायती राज संस्थाओं के दूसरे चरण में 28 मई को होने जा रहे मतदान के लिए प्रशासन ने सभी तैयारियों को पूर्ण कर लिया है। दूसरे चरण में जिला की 62 ग्राम पंचायतों में कुल 1 लाख 8 हजार 369 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। जिनमें 54 हजार 402 पुरुष तथा 53 हजार 967 महिला मतदाता शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि जिला में दूसरे चरण के लिए कुल 386 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। जिनमें 271 मतदान केंद्र सामान्य श्रेणी के, 77 संवेदनशील तथा 38 अति संवेदनशील मतदान केंद्र शामिल हैं। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण की 62 ग्राम पंचायतों के मतों की गणना के लिए कुल 62 मतगणना केन्द्र स्थापित किए गए है, जिसमें 14 मतगणना केन्द्र संवेदनशील तथा 17 मतगणना केन्द्र अति संवेदनशील श्रेणी में है। उन्होंने बताया कि सभी संवेदनशील और अति संवेदनशील मतदान और मतगणना केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था के विशेष प्रबंध किए गए हैं ताकि मतदान और मतगणना प्रक्रिया शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सके।

राहुल कुमार ने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा है कि सभी मतदाता लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़ कर भाग लें तथा बिना किसी भय या प्रलोभन के अपने मताधिकार का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि मतदान के दौरान निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करना प्रत्येक मतदाता की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि मतदान दिवस पर प्रत्येक मतदाता अपने साथ निर्वाचन आयोग द्वारा जारी एपिक कार्ड अथवा कोई वैध पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट या पैन कार्ड अवश्य लेकर आएं। मतदाता मतदान केंद्र पहुंचने से पहले मतदाता सूची में अपना नाम तथा क्रमांक संख्या अवश्य जांच लें। मतदान का समय सुबह 7 बजे से अपहरान् 3 बजे तक निर्धारित किया गया है।

उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर शांति एवं अनुशासन बनाए रखें तथा महिला, दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं का सहयोग करें। मतदाता अपनी बारी का धैर्यपूर्वक इंतजार करें तथा गर्मी से बचाव के लिए अपने साथ छाता और पानी आदि लेकर आएं। मतदान की गोपनीयता बनाए रखना प्रत्येक मतदाता की जिम्मेदारी है, इसलिए बैलेट पेपर पर मुहर लगाते समय किसी को भी मतदान की जानकारी न दें।

उपायुक्त ने मतदाताओं से यह भी आग्रह किया है कि मतदान केंद्र के भीतर मोबाइल फोन या कैमरा लेकर न जाएं। मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे में किसी भी राजनीतिक दल का चुनाव चिन्ह, टोपी, गमछा, पर्चा या प्रचार सामग्री प्रतिबंधित है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के प्रलोभन में आकर मतदान न करें तथा किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर वोट डालने का प्रयास न करें। बैलेट पेपर की फोटो खींचना तथा मतदान की गोपनीयता भंग करना दंडनीय अपराध है। मतदाता बैलेट पेपर पर हस्ताक्षर या नाम न लिखें तथा केवल निर्धारित चुनाव चिन्ह पर ही मुहर लगाएं। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों के मतों की गणना मतदान समाप्त होने के बाद की जाएगी जबकि पंचायत समिति एवं जिला परिषद के मतों की गणना 31 मई को निर्धारित मतगणना स्थलों में की जाएगी।

पंचायती राज चुनाव में कांग्रेस को मिली करारी हार : जयराम ठाकुर

कहा, चुनाव के पहले ही चरण में प्रदेश की लगभग 75 प्रतिशत पंचायतों में भाजपा समर्थित प्रधान और उपप्रधान प्रत्याशियों ने की ऐतिहासिक जीत दर्ज

» प्रथम न्यूज । शिमला
27 मई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश में आयोजित पंचायती राज चुनावों के प्रथम चरण में प्रबुद्ध जनता ने कांग्रेस की जनविरोधी नीतियों को नकारते हुए भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में एकतरफा और प्रचंड जनादेश सुना दिया है। इस चुनाव के पहले ही चरण में प्रदेश की लगभग 75 प्रतिशत पंचायतों में भाजपा समर्थित प्रधान और उपप्रधान प्रत्याशियों ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है, जिसने यह साफ कर दिया है कि प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में राष्ट्रवाद और विकास की एक नई लहर चल रही है और कांग्रेस का गांव-गांव से सफाया शुरू हो चुका है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मंडी से जारी प्रेस बयान में कहा है कि सराज में भाजपा ने प्रथम चरण में अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र की 28 पंचायतों में से 25 पर अपना परचम लहराया है, जबकि कांग्रेस को महज दो जगह पर ही संतोष करना पड़ा है। सराज की प्रबुद्ध जनता के इस प्रचंड समर्थन और आशीर्वाद के लिए आभार व्यक्त करते हुए जयराम ठाकुर ने कहा कि कई बार प्राकृतिक आपदा का दंश झेल चुके सराज क्षेत्र को सभी नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ मिलकर फिर से मजबूती के साथ खड़ा किया जाएगा। उन्होंने प्रदेश की जनता को इस शानदार जनादेश के लिए धन्यवाद दिया और वीरवार को होने वाले दूसरे चरण के पंचायत चुनाव के लिए भी जनता से इसी प्रकार के सहयोग की पुरजोर अपील की।

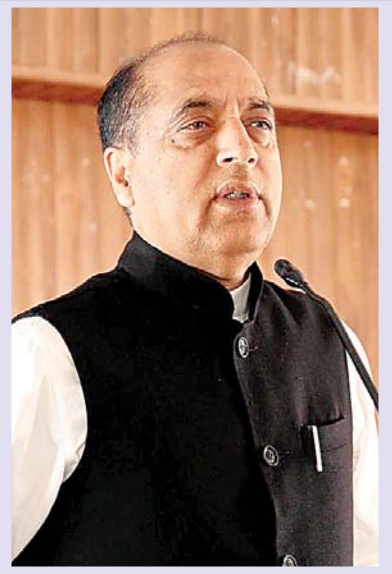

नेता प्रतिपक्ष ने वर्तमान कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इस सरकार ने झूठ बोलकर और जनता को गुमराह करके सत्ता तो हथिया ली, लेकिन सत्ता में आने के बाद प्रदेश के विकास कार्यों पर पूरी तरह से पूर्ण विराम लगा दिया है। जनता अब इस सच्चाई को अच्छी तरह समझ चुकी है कि यदि गांव और क्षेत्र का वास्तविक विकास करना है तो भाजपा के साथ ही आगे बढ़ना होगा। उन्होंने पूर्ण विश्वास जताया कि आने वाले समय में प्रदेश में फिर से भाजपा की सरकार बनना तय है और केंद्र सरकार के मजबूत सहयोग से हिमाचल में विकास का पहिया %डबल इंजन% की रफ्तार से आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को पता था कि चुनावों में परिणाम कांग्रेस पार्टी के पक्ष में नहीं आने वाले हैं तो उन्होंने इन चुनावों को समय पर नहीं करवाया और आज छः माह का अतिरिक्त समय निकल चुका है। इस अवधि में जो विकास पंचायतों में होना चाहिए था वो कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री की हठधर्मिता के कारण रुका पड़ा है। केंद्र सरकार से लगातार मदद मिल रही है लेकिन इस सरकार ने उसे भी लोगों तक पहुंचाने में देरी की है।

इसके अतिरिक्त, एक अन्य महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी का हवाला देते हुए कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि देश की शीर्ष अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि %विशेष गहन समीक्षा% (एसआईआर) कानून सम्मत, वैध और पूरी तरह संवैधानिक प्रक्रिया है। सुप्रीम कोर्ट के इस बड़े फैसले के बाद कांग्रेस का तथाकथित संविधान विरोधी चेहरा देश और प्रदेश की जनता के सामने पूरी तरह बेनकाब हो गया है, क्योंकि कांग्रेस अब तक देश की जनता को केवल वोट बैंक की ओछी राजनीति के लिए धोखा देती आ रही थी और घुसपैठियों के सहारे चुनावों में अनुचित फायदा उठाने का प्रयास कर रही थी, लेकिन अब देश और प्रदेश में यह तुष्टिकरण और धोखे की राजनीति बिल्कुल नहीं चलेगी। और घुसपैठियों के सहारे चुनावों में अनुचित फायदा उठाने का प्रयास कर रही थी, लेकिन अब देश और प्रदेश में यह तुष्टिकरण और धोखे की राजनीति बिल्कुल नहीं चलेगी।

पंचायती राज चुनाव के प्रथम चरण में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों की प्रचंड जीत : डॉ राजीव बिंदल

75 प्रतिशत पंचायतों में भाजपा समर्थित प्रधान-उपप्रधान विजयी, कांग्रेस का गांव-गांव से सफाया

» प्रथम न्यूज । शिमला
27 मई (बी.शर्मा)

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल ने कहा कि हिमाचल Pradesh के पंचायती राज चुनाव के प्रथम चरण में भारतीय जनता पार्टी समर्थित उम्मीदवारों ने ऐतिहासिक और प्रचंड विजय प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि 26 मई को प्रदेश की 1293 पंचायतों में मतदान संपन्न हुआ और देर रात तक प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार लगभग 75 प्रतिशत पंचायतों में भाजपा समर्थित प्रधान एवं उपप्रधान उम्मीदवारों ने शानदार जीत दर्ज की।

डॉ बिंदल ने कहा कि इन परिणामों ने स्पष्ट संकेत दे दिया है कि प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों, झूठे वादों और विफल शासन से पूरी तरह निराश और आक्रोशित है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव के प्रथम चरण का यह परिणाम कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता का स्पष्ट जनादेश और जनमत संग्रह है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने से पहले महिलाओं, युवाओं, किसानों, कर्मचारियों और आम जनता से बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन ढाई वर्षों के कार्यकाल में प्रदेश की जनता को केवल धोखा, महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक संकट मिला। महिलाओं को हर महीने आर्थिक सहायता देने का वादा आज तक अधूरा पड़ा है, युवाओं को रोजगार देने की घोषणाएं केवल कागजों और मंचों तक सीमित रह गई और किसानों-बागवानों को राहत देने के नाम पर केवल घोषणाएं की गईं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश का युवा

कांग्रेस की महिला विरोधी, किसान विरोधी और विकास विरोधी नीतियों के खिलाफ जनता का जनमत संग्रह : भाजपा

आज बेरोजगारी से परेशान है, किसान और बागवान अपनी उपज के उचित दाम के लिए संघर्ष कर रहे हैं और आम जनता बिजली, पानी तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं के बढ़ते दामों से त्रस्त है। कांग्रेस सरकार ने विकास कार्यों को पूरी तरह ठप कर दिया है और केवल राजनीतिक संरक्षण तथा अपने चहेतों को लाभ पहुंचाने की राजनीति की जा रही है।

डॉ राजीव बिंदल ने कहा कि पंचायत चुनावों में गांव-गांव से कांग्रेस के खिलाफ भारी जनाक्रोश देखने को मिला। प्रदेश के कई बड़े कांग्रेस नेता और राजनीतिक दिग्गज अपने क्षेत्रों में करारी हार का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता ने कांग्रेस के अहंकार और विफल नीतियों को पूरी तरह नकार दिया है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा गांव, गरीब, किसान, महिला और युवा के हितों को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश को लगातार विकास योजनाओं, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, रेल और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व सहायता दी जा रही है, जिसका लाभ प्रदेश की जनता तक पहुंच रहा है।

डॉ बिंदल ने कहा कि पंचायत चुनाव के परिणाम यह भी साबित करते हैं कि प्रदेश की जनता भाजपा की नीतियों, संगठन की मजबूती और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर लगातार विश्वास जता रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार को हर स्तर पर जवाब देगी और हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर भाजपा का परचम लहराएगा।

उन्होंने सभी विजयी भाजपा समर्थित प्रधानों, उपप्रधानों और पंचायत प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि ये जीत केवल भाजपा की नहीं बल्कि प्रदेश की जनता की जीत है, जिन्होंने विकास, पारदर्शिता और जनहित की राजनीति पर विश्वास जताया है।

सुखविंदर सिंह सुक्खू ने नेरवा स्कूल में बच्चों से किया संवाद

शिमला (एएम नाथ) – सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शिमला जिले के नेरवा स्कूल में छात्रों के साथ खुला संवाद किया। इस दौरान बच्चों ने शिक्षा, सुविधाओं, ट्रैफिक, मिड-डे मील और स्कूल व्यवस्था से जुड़े कई सवाल

पूछे, जिनका मुख्यमंत्री ने सहज और सकारात्मक अंदाज में जवाब दिया।

संवाद के दौरान दसवीं कक्षा के छात्र विहान चौहान ने पूछा कि सेना समेत हर क्षेत्र में प्रवेश के लिए परीक्षा होती है, लेकिन विधायक बनने के लिए कोई परीक्षा क्यों नहीं होती। इस पर मुख्यमंत्री ने मुस्कराते हुए कहा कि एमएलए का एग्जाम सबसे मुश्किल होता है, क्योंकि इसमें जनता पास या फेल करती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता का फैसला ही सबसे बड़ी परीक्षा है। जब छात्र ने राजनीतिक दलों के टिकट के लिए परीक्षा की बात कही तो मुख्यमंत्री ने उसकी सोच की सराहना की। दसवीं की छात्रा आकृति चौहान ने सवाल उठाया कि मिड-डे मील केवल आठवीं तक ही क्यों दिया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अच्छा सुझाव है और सरकार इस पर विचार करेगी। उन्होंने संकेत दिए कि भविष्य में इसे चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा सकता है।

स्कूल में गंदे शौचालय और पानी की कमी का मुद्दा भी बच्चों ने मजबूती से उठाया। तीसरी कक्षा के छात्र रियांश और अन्य छात्राओं ने शिकायत की कि टॉयलेट साफ नहीं रहते और पानी की व्यवस्था भी नहीं है। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि स्कूल में बेहतर शौचालय और पानी की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। साथ ही छात्रों से भी साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की। जमा दो की छात्रा आयती सूद ने स्कूलों में फ्रेंच, जर्मन और जापानी जैसी अंतरराष्ट्रीय भाषाएं पढ़ाने की मांग रखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस दिशा में विचार कर रही है। वहीं छात्राओं ने असुविधाजनक बेंच और अलग-अलग भवनों में लगने वाली कक्षाओं की समस्या भी बताई। संवाद के अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि वे स्कूल की समस्याओं को समझने और उनका समाधान करने के लिए ही नेरवा आए हैं। उन्होंने देहा सड़क को डबल लेन बनाने और स्कूल सुरक्षा के लिए दीवार निर्माण का भी आश्वासन दिया।

फलहा गांव में एक पिकअप एक्सपायरी दवाईयों की गिराई मिली; गांव के लोगों ने चालक से चकवाई

» प्रथम न्यूज । बद्दी
27 मई (तारा)

बद्दी साई रोड पर धर्मपुर के साथ लगते फलहां गांव में एक पिकअप में भर कर एक्सपाईरी दवाईयां फैंक दी गई। जैसे ही गांव के लोगों को दवाई फैंकने की भनक लगी तो सभी महिलाएं व पुरूष एकत्रित हो गए। और फैंकी गई एक्सपाईरी दवा वापस गाड़ी में भरवा कर लौटा दी। अब उस व्यक्ति ने कहां फैंकी होगी ?

बीते दिन एक पिकअप गाड़ी फलहां गांव के पास आकर रूकी उसमें गाड़ी में सवार लोग एक्सपाईरी दवाईयों की पैकेट ढांग में फैंकने लगे। जैसे ही दवा फैंकने की सूचना गांव के सोहन लाल ठाकुर, गीता सिंह, अमना, प्रदीप सिंह, ध्यान चंद, हिमांशु, हनी, शुभम, जोगिंद्र सिंह व गांव की महिलाओं को पता चला तो वह सभी एकत्रित हो गई।

इन लोगों ने पिकअप चालक को घेर लिया और उसे गांव के समीप एक्सपाईरी दवा फैंकने का कारण पूछने लगे। लेकिन उसने कोई भी जवाब नहीं दिया। इस बीच लोगों ने प्रदूषण विभाग को भी सूचना कर दी गई।

पिकअप का चालक डर गया और गांव के लोगों के विरोध को देख कर फैंकी गई सारी दवाई उठाई और वापस पिकअप में डाल ली। सोलन लाल ने बताया कि गांव में लोग पशुपालन का कार्य करते है।

फैंकी गई गोलियां, इजेक्शन व पाउडर अगर बकरियां व अन्य पशु खा लेते तो वह मर जाते। गुस्साए लोग चालक की पिटाई करने को तैयार हुए लेकिन चालक ने सभी दवाईयां उठा कर वापस ले जाने को तैयार हो गया।

उधर, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिशासी अभियंता अभय परमार ने बताया कि सूचना मिलते ही उनका जेई मौके पर गया था और फैंकी गई दवाईयां के सैंपल लिए गए है। पिकअप चालक व जिस भी विभाग की यह दवाईयां होगी उनके खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

विकास खण्ड पट्टा के प्रथम चरण के निर्वाचन के परिणाम घोषित

» प्रथम न्यूज । पट्टा मेहलोग
27 मई (तारा)

सोलन जिला में पंचायती राज संस्थाओं के प्रथम चरण के निर्वाचन के परिणाम घोषित हो गए हैं। यह जानकारी बुधवार को ज़िला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने दी।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि विकास खण्ड पट्टा की ग्राम पंचायत बढ़लग के प्रधान पद के लिए सुमन देवी 709 मतों से तथा उप प्रधान के लिए राकेश कुमार 118 मतों से विजयी घोषित किए गए।

ग्राम पंचायत भटोली कलां के लिए कपिल ठाकुर 116 मतों से प्रधान पद तथा महिंदर पाल 918 मतों से उप प्रधान पद के लिए विजयी घोषित किए गए।

ग्राम पंचायत घड़सी के प्रधान पद के लिए बिना देवी 44 मतों से तथा उप प्रधान पद के लिए दिनेश कुमार 52 मतों से विजयी घोषित किए गए।

ग्राम पंचायत गुल्लरवाला के लिए 69

मतों से मोहिन्दर सिंह प्रधान पद तथा 466 मतों से ज्ञान चंद उप प्रधान पद के लिए विजयी घोषित किए गए।

ग्राम पंचायत हरिपुर संडोली के प्रधान पद के लिए देवी राम 185 मतों से तथा उप प्रधान पद के लिए हंस राज 106 मतों से विजयी घोषित किए गए।

ग्राम पंचायत जाडला के लिए मधु चंदेल प्रधान पद के लिए 276 मतों से तथा हेमन्त कुमार उप प्रधान पद के लिए 247 मतों से विजयी घोषित किए गए। ग्राम पंचायत जगजीत नगर के प्रधान पद के लिए मेहर चंद तथा उप प्रधान पद के लिए योगेन्द्र सिंह निर्विरोध चुने गए।

ग्राम पंचायत साईं के लिए 272 मतों से सुमन लता प्रधान पद तथा 234 मतों से हरजीत पंवर उप प्रधान पद के लिए विजयी घोषित किए गए।

ग्राम पंचायत सौड़ी के प्रधान पद के लिए रीता रानी 81 मतों से तथा उप प्रधान पद के लिए राजिन्द्र कुमार 96 मतों से विजयी घोषित किए गए।

चम्बा जिलाध्यक्ष में 28 मई को द्वितीय चरण के अंतर्गत 116 ग्राम पंचायतों में होगा मतदान

» प्रथम न्यूज । चंबा
27 मई (एएम नाथ)

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) मुकेश रेपसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि पंचायती राज सामान्य निर्वाचन-2026 के अंतर्गत 28 मई को द्वितीय चरण के अंतर्गत ज़िला के 116 ग्राम पंचायतों में मतदान प्रक्रिया संपन्न होगी।

मुकेश रेपसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि दूसरे चरण के अंतर्गत विकास खंड चम्बा की 16, भरमौर की 15, तीसा की 18, मैहला की 18, पांगी की 9, सलूणी की 16 और भटियात की 24 पंचायतें शामिल हैं।

उन्होंने साथ में यह भी बताया कि दूसरे चरण के अंतर्गत ज़िला के जनजातीय उपमंडल भरमौर तथा पांगी में निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होगी। इसके अतिरिक्त जिला के पांच विकास खंडों चंबा, मैहला, तीसा, सलूणी एवं भटियात में तीसरे चरण के तहत 30 मई को मतदान प्रक्रिया संपन्न होगी।

विकास खण्ड चम्बा के तहत इन ग्राम पंचायतों में होगा मतदान

प्रौथा, हरिपुर, द्रमण, झुलाड़ा, प्राहनवी, पल्यूर, घघरौता, बरौर, द्रड्डा, चीलबंगला, सरू, औड़ा, हमल, चंडी, भड़ोह व कियाणी

विकास खण्ड भरमौर

प्रंघाला, चोबिया, खणी, संचुई, भरमौर, चन्हौता, ग्रीमा, बजोल, दियोल, कुठेहड़, लामू, रूणुकोठी, औरा, सिंयूर व गरोला

विकास खण्ड तीसा

देहग्रां, तीसा-1, चरड़ा, भराड़ा, चरोड़ी, भलोड़ी, झज्जाकोठी, हरतवास, बोंदेड़ी, सत्यास, देवीकोठी, बैरागढ़, बिहाली, सन्तेवा चिल्ली, बघेईगढ़, भावला, कोहाल व थल्ली

विकास खण्ड मैहला – गुवाड़, उटीप, वाट, रजेरा, बैली, बख्तपुर, कोलका, जटकरी, चड़ी, डुलाड़ा, धिमला, तागी, गैहरा, छतराड़ी, खुन्देल, प्रीणा, कलमला व बन्दला

विकास खण्ड पांगी

धरवास, लुज, हुडान भटोरी, किलाड़, फिंडरू, कुमार, मिंधल, शूण व पुर्थी

विकास खण्ड सलूणी

हिमगिरी, डियूर, पिछला-डियूर, सियुला, पुखरी, गवालू, दिघाई, बाड़का, सेरी, ब्याणा, ओहरा, सनूह, सलूणी, भान्दल, बांगल व भुनाड़

विकास खण्ड भटियात

बलाना, थुलेल, मोतला, रजैं, गरनोटा, जसूर, रायपुर, मोरठू, खनोड़ा, जन्द्रोग, जतरुण, कथेट, खडेडा, होबार, गडाना, तुनुहट्टी, ढलोग, नैनीखड्ड, मोरनू, समलेउ, टप्पर, मनोला, बाथरी व मलूड़ा ग्राम पंचायतों में वोट डाले जाएंगे।

उपायुक्त ने समस्त मतदाताओं से आगामी चरणों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा लोकतंत्र को सशक्त बनाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया है।

हिमाचल पंचायत चुनाव : हमीरपुर में अजय अत्री बने टिल्लू पंचायत के पहले प्रधान, सीएम सुक्खू के हैं करीबी

» प्रथम न्यूज । नादौन (हमीरपुर)
27 मई (बी.शर्मा)

नादौन की नवगठित टिल्लू पंचायत में प्रधान पद का चुनाव इस बार खासा चर्चा में रहा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के करीबी माने जाने वाले अजय अत्री लगातार दूसरी बार प्रधान चुने गए हैं। इससे पहले वह बेला पंचायत के प्रधान रह चुके हैं।

बेला पंचायत का अधिकांश क्षेत्र नगर परिषद नादौन में शामिल होने के बाद शेष क्षेत्र को मिलाकर नई टिल्लू पंचायत का गठन किया गया था। नई पंचायत के पहले प्रधान बनने का गौरव अजय अत्री को मिला। चुनाव में अजय अत्री को कुल 184 मत प्राप्त हुए। वहीं उनके मुकाबले

नरदीप सिंह को 173, ब्रजेश सिंह को 53 तथा शशि पाल को 19 मत प्राप्त हुए।

संतोष शर्मा को 5 वोट मिले। गौरतलब है कि नई बनी टिल्लू पंचायत के प्रधान पद का चुनाव क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ था।

अंतिम परिणामों में अजय अत्री ने जीत दर्ज कर प्रधान पद पर कब्जा जमाया।

संक्षिप्त न्यूज

इबोला वायरस के सामुदायिक प्रसार के खिलाफ शीघ्र पहचान एक मजबूत बचाव है : डॉ. राजेश गेरा

चंडीगढ़ (जगमीत घुम्मन)– वैश्विक स्तर पर इबोला वायरस के प्रकोप से जुड़ी 120 से अधिक मौतों के साथ, एक और संक्रामक बीमारी के आपातकाल के खतरे को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

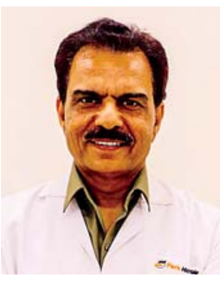

डायरेक्टर एवं एचओडी– इंटरनल मेडिसिन , पार्क अस्पताल, पंचकुला, डॉ. राजेश गेरा ने कहा कि अपनी विशाल जनसंख्या घनत्व और भारी अंतरराष्ट्रीय यात्रा के कारण हमें अत्यधिक सतर्क और तैयार रहना चाहिए।

उन्होंने कहा, हालांकि कोविड–19 महामारी के बाद हमारी स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना में काफी सुधार हुआ है, लेकिन इबोला अपनी उच्च मृत्यु दर और लक्षण दिखने के बाद तेजी से बढ़ने के कारण एक अलग चुनौती पेश करता है। सभी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर, विशेष रूप से प्रभावित क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों के लिए थर्मल स्क्रीनिंग और कड़ी निगरानी को तुरंत मजबूत किया जाना चाहिए।

डॉ. गेरा ने बताया कि सामुदायिक प्रसार के खिलाफ शीघ्र पहचान ही सबसे मजबूत बचाव है। बुखार, अत्यधिक कमजोरी, शरीर में दर्द, उल्टी, दस्त, अस्पष्ट रक्तस्राव और अचानक बिगड़ती स्थिति कुछ ऐसे प्रारंभिक चेतावनी संकेत हैं जिन्हें स्वास्थ्य पेशेवरों और आम जनता दोनों को तुरंत पहचानना चाहिए। आज भारत में आइसोलेशन सुविधाएं, प्रयोगशाला सहायता, संक्रमण नियंत्रण प्रोटोकॉल और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी बेहतर ढंग से उपलब्ध हैं। हालांकि, डॉ. गेरा ने बताया कि तैयारी केवल टर्शियरी अस्पतालों तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि सामुदायिक स्तर पर जागरूकता, रैपिड रिस्पांस सिस्टम, आपातकालीन क्वारंटाइन मैकेनिज्म और कोऑर्डिनेट पब्लिक हेल्थ कम्युनिकेशन भी उतने ही आवश्यक हैं। इस समय सतर्कता बरतने की जरूरत है, लेकिन घबराहट नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने बताया कि समय पर स्क्रीनिंग, शीघ्र निदान, सख्त संक्रमण नियंत्रण और जन सहयोग से संक्रमण के प्रसार के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। डॉ. गेरा ने आगे कहा कि स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा निरंतर निगरानी और सक्रिय निवारक उपाय यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण होंगे कि भारत किसी भी उभरती वैश्विक स्वास्थ्य चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहे।

कर्म करते रहो, लेकिन आसक्ति और पकड़ छोड़नी पड़ेगी

जीवन के बंधनों से मुक्ति का मार्ग

चंडीगढ़, 27 मई (मुकेश डोलिया) मास्टरजी ने एक गहरी सच्चाई को समझा कि दुख हमें दुखी नहीं कर सकता, यदि हम उसे स्वीकार कर लें। जीवन में जो भी अपमान, कष्ट या अन्याय मिलता है, वह पिछले कर्मों का हिसाब हो सकता है। इसलिए प्रतिक्रिया और बदले की भावना नया बंधन बना देती है। भगवान बुद्ध का उदाहरण देते हुए समझाया गया कि उन्होंने अपमान का उत्तर क्रोध से नहीं दिया, क्योंकि वे कर्मों के सिद्धांत को समझ चुके थे। यही संदेश श्रीकृष्ण ने गीता में भी दिया – कर्म करते रहो, लेकिन आसक्ति और पकड़ छोड़ दो।

जीवन के रिश्ते, धन और संसार परमात्मा की दी हुई सुंदर व्यवस्था हैं, लेकिन मेरा और तेरा की पकड़ ही दुख का कारण बनती है। मृत्यु एक दिन सब कुछ छीन लेती है, इसलिए जीवन का वास्तविक उद्देश्य समझना ही मुक्ति का मार्ग है। जब व्यक्ति स्वीकार भाव में जीना सीख लेता है, तब उसके भीतर शांति, प्रेम और आनंद का प्रवाह शुरू हो जाता है। जीवन की हर परिस्थिति फिर बोझ नहीं बल्कि सीख और आत्मविकास का अवसर बन जाती है।

मास्टरजी का यह ज्ञान उनके यूट्यूब चैनल मास्टरजी पर निशुल्क उपलब्ध है। उनका कहना है कि केवल 3–30 लेक्चर सुनने से ही व्यक्ति अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन अनुभव कर सकता है।

खेतों से केबल चोरी मामले में थाना तितरम पुलिस द्वारा आरोपी गिरफ्तार

कैथल, 27 मई (कृष्ण गर्ग)– खेतों से केबल चोरी करने वाले आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए थाना तितरम पुलिस ने एक आरोपी को काबू किया गया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया की गांव जाखौली निवासी बुटा सिंह की शिकायत अनुसार 4 मई की रात अज्ञात चोर उसके खेत में बने कोठे का ताला तोड़कर करीब 80 फुट केवल चोरी कर ले गए। शिकायतकर्ता के अनुसार पड़ोसी किसानों रामफल की करीब 50 फुट, राजू की करीब 45 फुट तथा बागा की करीब 40 फुट केबल भी अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई थी। शिकायत पर थाना तितरम में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की जांच थाना तितरम प्रभारी पीएसआई रवि की अगुवाई में एचसी नरेंद्र की टीम द्वारा करते हुए आरोपी गांव हरसोला निवासी राहुल को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी द्वारा उक्त चोरी की वारदातो को अंजाम देना कबूल किया गया। आरोपी के कब्जे से करीब 50 फुट तार बरामद की गई। आरोपी को न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

प्रदेश की सभी आईटीआई में बनेंगी मॉडर्न वर्कशॉप: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने हरियाणा विजन-2047 के अंतर्गत युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विभाग के अगले 5 वर्षों के रोडमैप व कार्ययोजना की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
27 मई (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश की सभी आईटीआई की वर्कशॉप को मॉडर्न करके यहां आधुनिक जरूरतों के अनुरूप उपकरण उपलब्ध करवाए जाएं। सभी विद्यार्थियों को रोजगार सुनिश्चित करने के लिए आईटीआई के कोर्स और पढ़ाई को उद्योगों की जरूरत के अनुसार तैयार किया जाए ताकि युवाओं को कोर्स खत्म होते ही रोजगार मिल सके और उद्योगों को अपनी आवश्यकता के अनुसार कुशल युवा उपलब्ध हो सकें। इसके साथ ही स्वरोजगार करने वाले युवाओं को भी प्रोत्साहित किया जाए और उनके आइडियाज को स्टार्ट–अप में बदलने के लिए उनकी सहायता की जाए।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश हरियाणा विजन 2047 के अंतर्गत आज हरियाणा सिविल सचिवालय में युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विभाग के अगले 5 वर्ष की कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए दिए। उन्होंने कहा कि आईटीआई, पोलिटेक्निक व वोकेशनल शिक्षा देने वाले सभी संस्थानों के शिक्षकों की भी समय–समय पर ट्रेनिंग और उद्योगों के साथ कॉर्डिनेशन करवाया जाए ताकि वे अपने विद्यार्थियों को समय की मांग के अनुरूप तैयार कर सकें। सरकार भी युवाओं को नौकरी देने वाले उद्योगों को प्रोत्साहन राशि दे रही है ताकि अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि समय के साथ उद्योगों की जरूरतों में बदलाव हुए हैं लेकिन आईटीआई जैसे प्रशिक्षण संस्थान अभी भी पुरानी पद्धति से पढ़ाई करवा रहे हैं। इसके चलते उद्योगों को कार्यकुशल युवा नहीं मिल पा रहे हैं और कोर्स कर चुके युवाओं को रोजगार नहीं मिल पाता है। इसके लिए जरूरी है कि सभी आईटीआई में कोर्स और वर्कशॉप को पूरी तरह से उद्योगों की मांग के अनुरूप व मॉडर्न किया जाए। युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विभाग के प्रधान सचिव श्री राजीव रंजन ने बताया कि आईटीआई की वर्कशॉप्स को मॉडर्न करने का सर्वे करवाया जा रहा है। पहले चरण में सर्वे हो चुकी आईटीआई के लिए 10 करोड़ रुपये के आधुनिक उपकरणों की खरीद के ऑर्डर कर दिए गए हैं, जल्द ही ये उपकरण आईटीआई में पहुंच जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग उद्योगों के साथ एमओयू साइन करके युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करके उन्हें रोजगार के काबिल बनाए। विभाग सभी उद्योगों से समन्वय बनाकर उनकी जरूरतों का अध्ययन करे और उसी के अनुरूप कुशल युवा तैयार करे। उन्होंने कहा कि अगली तिमाही में होने वाली बैठक में विभाग उन्हें यह विवरण प्रदान करे कि कितने उद्योगों के साथ समझौते किए गए हैं।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आईटीआई व पोलिटेक्निक के शिक्षकों को भी प्रशिक्षण दिलवाया जाए ताकि वे भी अपने आप को समय की जरूरत के अनुसार अपडेट कर सकें। आईटीआई शिक्षकों को उद्योगों की जरूरतों का अध्ययन करने के लिए औद्योगिक इकाइयों में भी भेजा जाए। इसी प्रकार समय–समय पर उद्योगों के प्रतिनिधि या विशेषज्ञों को आईटीआई में बुलाकर विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम करवाए जाएं। अधिकारियों ने बताया कि कुरुक्षेत्र में प्रदेश स्तरीय इंस्ट्रक्टर ट्रेनिंग सेंटर खोलने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सेंटर तैयार होने तक प्रदेश के श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के साथ मिलकर इसी साल से शिक्षकों की ट्रेनिंग करवाई जाए।

डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर की प्रधान सचिव अमनीत पी कुमार ने बताया कि विदेश सहयोग विभाग के माध्यम से युवाओं को विदेश में रोजगार उपलब्ध करवाने हेतु प्रदेश में 4 जिलों में प्रशिक्षण केंद्र खोले जाएंगे। दो जिलों, करनाल व पंचकूला में इनके लिए स्थान चिह्नित किए जा चुके हैं, दो जिलों का चयन करने की प्रक्रिया चल रही है। इन केंद्रों के शुरू होने के बाद अधिक से अधिक युवाओं को विदेशों में रोजगार के लिए तैयार किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि कनाडा में लगभग 80 हजार ट्रक ड्राइवरों की जरूरत है। यह जरूरत पूरी करने के लिए विभाग द्वारा अशोक लीलैंड के साथ बात की जा रही है जहां बच्चों को प्रशिक्षण दिलवाकर विदेश में रोजगार उपलब्ध करवाया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए अधिक से अधिक रोजगार मेले लगवाए जाएं। मुख्यमंत्री ने गत वर्ष आयोजित किए गए रोजगार मेलों की संख्या और इनके माध्यम से रोजगार प्राप्त युवाओं की संख्या की जानकारी मांगते हुए कहा कि प्लेसमेंट और ऑफर लैटर मिलने वाले युवाओं की ट्रेकिंग करवाई जाए ताकि पता लगे कि उसे स्थाई रोजगार मिला है या नहीं। उन्होंने कहा कि रोजगार अधिकारियों को भी उद्योगों में जाकर उनकी जरूरतों की जानकारी लेते रहना चाहिए और उसी के अनुरूप विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करना चाहिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, मुख्यमंत्री के ओएसडी व स्वर्ण जयंती हरियाणा राजकोषीय प्रबंधन संस्थान के महानिदेशक डॉ. राज नेहरू तथा मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव श्री यशपाल यादव सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

कष्ट निवारण समिति की बैठक में कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने सुनीं जनसमस्याएं

» प्रथम न्यूज । कैथल
27 मई (कृष्ण गर्ग)

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने बुधवार को आरकेएसडी कॉलेज सभागार में आयोजित जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में आमजन की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही समाधान करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान कुल 12 शिकायतें प्रस्तुत की गईं, जिनमें से सात शिकायतों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया, जबकि पांच शिकायतों को आगामी बैठक तक लंबित रखा गया।

बैठक के दौरान मंत्री श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए और शिकायतों के निपटान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता के कार्य समय पर पूरे करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है और जो अधिकारी अपने कार्य में रुचि नहीं दिखाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुरानी शिकायतों में हत्या, जमीन विवाद, परिवार पहचान पत्र, अवैध कब्जे और बिजली कनेक्शन से जुड़े मामलों पर सुनवाई की गई। नीतू मौण द्वारा अपने भाई की हत्या के मामले में मंत्री ने कहा कि न्यायालय के आदेशानुसार नार्को टेस्ट करवाया जाएगा तथा पुलिस को गहन जांच जारी रखने के निर्देश दिए गए। वहीं परिवार पहचान पत्र में गलती संबंधी शिकायत का समाधान होने पर शिकायतकर्ता ने संतोष व्यक्त किया।

गांव मालखेड़ी निवासी राहुल द्वारा आढ़ती से भुगतान न मिलने की शिकायत में जांच अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच समझौता हो चुका है तथा मुख्य आरोपी के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी कर दिया गया है। वहीं गांव पाई के थेह बड़ेला में अवैध कब्जे और बिजली कनेक्शन के मामले में मंत्री ने संबंधित विभागों को अवैध कनेक्शन हटाने और कब्जा खाली करवाने के आदेश दिए।

नई शिकायतों में गांव बरोट में जलभराव, अर्जुन नगर बाईपास के गंदे नाले की सफाई, फतेहपुर लिंक ड्रेन की सफाई और पीएम किसान योजना की किश्त न मिलने जैसे मामलों पर सुनवाई की गई। अधिकारियों ने कई मामलों में शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। आरटीई के तहत दाखिले से जुड़े मामले में मंत्री ने जिला शिक्षा अधिकारी और स्कूल प्रबंधन से जवाब तलब किया।

बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने किसानों से धान की सीधी बिजाई तकनीक अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे पानी, डीजल और खाद की बचत होगी और सरकार किसानों को 4500 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि भी प्रदान कर रही है। उन्होंने आमजन से सौर ऊर्जा के अधिक उपयोग का भी आह्वान किया। इस अवसर पर विधायक सतपाल जांबा, बीजेपी जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के थर्ड गेट के सामने होटल में आग, लाखों का नुकसान – बिजली विभाग व फायर ब्रिगेड पर लापरवाही के आरोप

कुरुक्षेत्र, 27 मई (बृज मोहन) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के थर्ड गेट के सामने नरेश बुक डिपो के समीप स्थित एक होटल में भीषण आग लगने की घटना सामने आई है, जिसमें होटल का पूरा सामान जलकर राख हो गया। घटना में दुकानदार को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, होटल के मालिक ने बताया कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट था, जिसके पीछे बिजली विभाग की लापरवाही बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि शाम करीब 6 बजे बिजली के तारों में स्पार्किंग हो रही थी, जिसकी शिकायत तुरंत बिजली विभाग के अधिकारियों को दी गई। शिकायत के बाद विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तारों को ठीक कर देर शाम बिजली सप्लाई बहाल कर दी गई।

हालांकि, बिजली आने के कुछ ही समय बाद पड़ोसियों ने दुकान में शॉर्ट सर्किट और आग लगने की सूचना दी। इसके बाद रात 11꞉02 बजे डायल 112 और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई।

आरोप है कि सूचना देने के बावजूद फायर ब्रिगेड की टीम करीब 45 मिनट की देरी से मौके पर पहुंची। इतना ही नहीं, पहली फायर ब्रिगेड गाड़ी में पानी की पर्याप्त मात्रा नहीं होने के कारण आग पर काबू पाने में दिक्कत आई और प्रेशर भी नहीं बन पाया। बाद में दूसरी गाड़ी रात 12꞉15 बजे पहुंची, लेकिन तब तक आग पूरी तरह फैल चुकी थी और होटल का सारा सामान जलकर राख हो गया।

इस घटना को लेकर बिजली विभाग और फायर ब्रिगेड की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पीड़ित दुकानदार को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। इस संबंध में शिकायतकर्ता कैलाश चावला ने पुलिस अधीक्षक को औपचारिक शिकायत दर्ज करवा दी है तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को भी शिकायत प्रेषित कर कार्रवाई की मांग की है।

राष्ट्रीय लोक अदालतों में किसी पक्ष की हार-जीत की बजाए दोनों पक्षों की आपसी सहमति से करवाया जाता है विवादों का समाधान

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र
27 मई (बृज मोहन)

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। परिवादी इस नेशनल लोक अदालत में सुलह व समझौते के लिए स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से अपने केसों का निस्तारण करा सकते है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि न्यायालय में लंबित मामलों को परस्पर सहयोग व सौहार्दपूर्ण माध्यम से निपटाने के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति का कोई मामला न्यायालय में लंबित है तो वह राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से उसका निस्तारण कर सकता है। लोक अदालत में दोनों पक्षों की आपसी सहमति व राजीनामे से सौहार्दपूर्ण वातावरण में पक्षकारों की रजामंदी से विवाद निपटाया जाता है। इससे शीघ्र व सुलभ न्याय, कहीं कोई अपील नहीं, अंतिम रूप से निपटारा, समय की बचत जैसे लाभ मिलते है। राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक लोन से संबंधित मामले, मोटर एक्सीडेंट, एनआई एक्ट, फौजदारी, रेवेन्यू, वैवाहिक विवाद का निपटारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आपसी सहमति से हल हो सकने वाले मामलों में लोक अदालत बहुत ही कारगर सिद्ध हो रही हैं और लोक अदालत में सुनाए गए फैसले की भी उतनी ही अहमियत है जितनी सामान्य अदालत में सुनाए गए फैसले की होती है। लोक अदालत में सुनाए गए फैसले के खिलाफ अपील दायर नहीं की जा सकती। लोक अदालत में सस्ता और सुलभ न्याय मिलता है। इन राष्ट्रीय लोक अदालतों के माध्यम से लोगों का बिना समय व पैसा गवाएं केसों का समाधान किया जाता है। राष्ट्रीय लोक अदालतों में ना तो किसी पक्ष की हार होती है और ना ही जीत बल्कि दोनों पक्षों की आपसी सहमति से विवादों का समाधान करवाया जाता है।

एसआईआर के विरोधी लोकतंत्र को बदनाम करने का कर रहे प्रयास : देवशाली

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
27 मई (सुरिन्दर चौहान)

चंडीगढ़ नगर निगम के पूर्व पार्षद शक्ति प्रकाश देवशाली ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को वैध और संवैधानिक मानने के फैसले का स्वागत करते हुए कांग्रेस और विपक्षी दलों पर लोकतंत्र को बदनाम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने अपने अधिकार क्षेत्र के तहत कार्य किया है और अदालत के फैसले के बाद विपक्ष को देश से माफी मांगनी चाहिए। देवशाली ने कहा कि एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाना है, लेकिन विपक्षी दल भ्रम और अफवाह फैलाकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी चुनावी शुचिता से घबराते हैं क्योंकि पारदर्शी व्यवस्था उनकी अवसरवादी राजनीति पर चोट करती है। उन्होंने चुनाव आयोग, प्रशासन और न्यायपालिका पर विश्वास जताते हुए लोगों से अफवाहों से बचने और अपने मताधिकार के प्रति जागरूक रहने की अपील की।

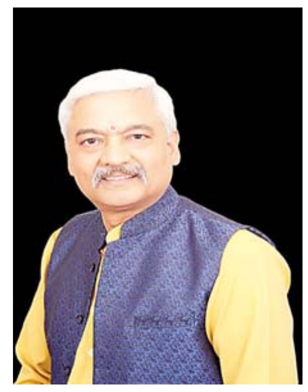

वैश्विक आपूर्ति संकट के बावजूद हरियाणा में खरीफ सीजन के लिए उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध: देश राज सिंह विश्नोई, कृभको

* नैनो यूरिया और जैव उर्वरकों का उपयोग पोषक तत्व उपयोग दक्षता बढ़ाने, उर्वरकों की बर्बादी कम करने तथा पर्यावरण प्रदूषण घटाने में मदद

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
27 मई (मुकेश डोलिया)

पश्चिम एशिया संकट के कारण उत्पन्न वैश्विक चुनौतियों और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों के बावजूद हरियाणा में खरीफ 2026 सीजन और धान की बुवाई से पहले किसानों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त उर्वरक भंडार उपलब्ध है। यह जानकारी कृभको हरियाणा के राज्य विपणन प्रबंधक (State Marketing Manager) देश राज सिंह विश्नोई ने बुधवार को दी। फोरम फॉर इंडियन जर्नलिस्ट्स ऑन एजुकेशन, एनवायरनमेंट, हेल्थ एंड एग्रीकल्चर (FIJEEHA) तथा एलायंस फॉर चेंज, ट्रांसफॉर्मेशन एंड इनोवेशन (ACTION) द्वारा आयोजित मीडिया कार्यशाला में भाग लेते हुए विश्नोई ने बताया कि खरीफ 2026 सीजन के दौरान हरियाणा राज्य में कुल उर्वरक आवश्यकता लगभग 16.20 लाख मीट्रिक टन आंकी गई है।

उन्होंने बताया कि इसमें सबसे अधिक मांग लगभग 11 लाख मीट्रिक टन यूरिया की है। इसके अलावा 2.80 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 0.95 लाख मीट्रिक टन एसएसपी, 0.70 लाख मीट्रिक टन एमओपी, 0.60 लाख मीट्रिक टन कॉम्प्लेक्स उर्वरक तथा 0.15 लाख मीट्रिक टन सिटी कम्पोस्ट की आवश्यकता का अनुमान है।

विश्नोई ने कहा, वैश्विक चुनौतियों और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों के बावजूद सभी संबंधित पक्ष समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं ताकि हरियाणा के किसानों को खरीफ सीजन के दौरान समय पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन और उर्वरकों की निर्बाध उपलब्धता राज्य की कृषि उत्पादकता बनाए रखने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, विशेषकर धान जैसी अधिक पोषक तत्वों वाली फसलों के कारण नाइट्रोजन आधारित उर्वरकों, खासकर यूरिया, की मांग लगातार अधिक बनी रहती है। विश्नोई ने आगे कहा कि हरियाणा सरकार, सहकारी संस्थाएं और उर्वरक कंपनियां मिलकर किसानों को समय पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, संतुलित उर्वरक उपयोग को बढ़ावा देने तथा मृदा स्वास्थ्य संरक्षण के लिए लगातार प्रयास कर रही हैं। इसके साथ ही किसानों को नैनो उर्वरक, जैव उर्वरक और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ कृषि उत्पादकता में भी वृद्धि हो सके।

FIJEEHA के अध्यक्ष डॉ. नवनीत आनंद ने कहा, कृभको ने हरियाणा के लाखों किसानों तक निर्बाध उर्वरक आपूर्ति सुनिश्चित करने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है और यह इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि सहकारिता आधारित आंदोलन किस प्रकार ग्रामीण सशक्तिकरण और कृषि पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत कर रहे हैं। ACTION की प्रज्ञा लाल रंजन ने कहा कि खरीफ सीजन हरियाणा की कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसानों की समृद्धि तथा खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्तापूर्ण उर्वरकों की समय पर उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। कार्यशाला में कृभको द्वारा किसानों के बीच जलवायु अनुकूल और पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने हेतु किए जा रहे विभिन्न प्रयासों पर भी चर्चा की गई।

विश्नोई ने कहा कि कृभको कृषि उत्पादन बढ़ाने के साथ–साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने की दिशा में कार्य कर रहा है।

इसी उद्देश्य से कृभको किसानों के बीच मृदा परीक्षण, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन तथा फसल आधारित पोषक तत्व प्रबंधन पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है ताकि रासायनिक उर्वरकों पर अत्यधिक निर्भरता कम हो और संतुलित उर्वरक उपयोग को बढ़ावा मिल सके।

संगठन नैनो उर्वरकों और जैव उर्वरकों के उपयोग को भी सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रहा है। नैनो यूरिया और जैव उर्वरकों का उपयोग पोषक तत्व उपयोग दक्षता बढ़ाने, उर्वरकों की बर्बादी कम करने तथा पर्यावरण प्रदूषण घटाने में मदद करता है, जिससे दीर्घकालिक टिकाऊ कृषि को बढ़ावा मिलता है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website : www.prathamnews.in

आज का

संपादकीय

भविष्य की अंतहीन चिंता में सुलगता वर्तमान चिंतन और हकीकत

कल की फिक्र में आज को सूली पर चढ़ाना—यह आधुनिक मानव जीवन की सबसे बड़ी विडंबना बन चुका है। हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ सुरक्षित कल की अंधी दौड़ ने हमारे सजीव आज की हत्या कर दी है। हर व्यक्ति भविष्य की एक ऐसी मीनार बनाने में व्यस्त है, जिसकी नींव का वर्तमान हर दिन कमजोर हो रहा है। सवाल बेहद सीधा और तार्किक है- यदि आज की इमारत ही जर्जर है, तो उस पर भविष्य का सुरक्षित महल कैसे खड़ा हो सकता है

शिव कुमार

भविष्य की चिंता या वर्तमान से पलायन

मनोवैज्ञानिक और सामाजिक दृष्टिकोण से देखें तो भविष्य की अत्यधिक चिंता दरअसल एक छलावा है। हम आने वाले कल की अनिश्चितताओं से इतना डर चुके हैं कि आज मिलने वाली छोटी-छोटी खुशियों, सुकून के पलों और मानसिक शांति को दांव पर लगा रहे हैं।

करियर और समाज का दबाव : बेहतरीन कल की चाह में आज की रातों की नींद और दिन का चैन गायब है।

असुरक्षा की भावना : कॉर्पोरेट और आधुनिक जीवनशैली ने इंसान को एक ऐसे चक्रव्यूह में धकेल दिया है जहाँ कमाना और बचाना ही जीवन का एकमात्र उद्देश्य बनकर रह गया है।

कड़वा सच हम उस भविष्य को सुरक्षित करने के लिए अपना खून-पसीना बहा रहे हैं, जिसे हमने देखा तक नहीं है; और उस वर्तमान को गँवा रहे हैं, जो पूरी तरह से हमारा है।

जब आज अच्छा नहीं, तो कल सुरक्षित कैसे

यह एक सीधा गणित है। वर्तमान ही वह कच्चा माल है जिससे भविष्य का निर्माण होता है। यदि आज हमारे पास मानसिक स्वास्थ्य नहीं है, रिश्तों में गर्माहट नहीं है और शरीर में ऊर्जा नहीं है, तो भविष्य में मिलने वाली कोई भी सफलता या सुरक्षा बेमानी हो जाएगी।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रहार- आज का तनाव कल की बीमारी बन रहा है। जब भविष्य आएगा, तब शायद उसे भोगने के लिए स्वस्थ शरीर ही न बचे।

रिश्तों का बिखराव : हम अपनों के बेहतर भविष्य के लिए आज उन्हें समय नहीं दे पाते। नतीजा यह होता है कि जब भविष्य आता है, तब तक रिश्ते औपचारिकता मात्र रह जाते हैं।

कार्यक्षमता में गिरावट : जो व्यक्ति आज में पूरी तरह नहीं जी रहा, वह अपने काम के साथ शत-प्रतिशत न्याय नहीं कर सकता। ऐसे में वर्तमान की खराब परफॉरमेंस भविष्य को सुरक्षित करने के बजाय और असुरक्षित बना देती है।

संतुलन ही एकमात्र समाधान

भविष्य के लिए योजना बनाना गलत नहीं है, लेकिन योजना बनाने और चिंता में डूब जाने के बीच एक बहुत बारीक रेखा है।

कर्म आज, फल कल- भविष्य की सुरक्षा आज के सही और केंद्रित कर्मों से तय होती है, न कि कल की सोच-सोच कर डरने से।

ठहराव की जरूरत : जीवन की इस भागदौड़ में थोड़ा ठहरकर आज की धूप, आज की हवा और आज के रिश्तों को महसूस करना जरूरी है।

निष्कर्ष

यदि वर्तमान समृद्ध, शांत और खुशहाल है, तो भविष्य अपने आप सुदृढ़ और सुरक्षित हो जाएगा।

आने वाले कल की चिंता में आज को खोना वैसी ही नासमझी है जैसे कोई सूखी टहनी पर बैठकर पेड़ के हरे-भरे होने का इंतज़ार करे। जीवन कहाँ होगा से ज़्यादा महत्वपूर्ण यह है कि जीवन अभी कहाँ है। इसलिए, वर्तमान को संवारिए, भविष्य खुद-ब-खुद संवर जाएगा।

पैसे का घमंड और संस्कार का अभाव

समाज में एक अजीब सा बदलाव धीरे-धीरे घर कर रहा है। पहले इंसान की पहचान उसके कर्मों, उसके बोल-चाल, उसके संस्कारों से होती थी। अब पहचान तय होती है उसकी गाड़ी से, उसके घर के साइज़ से और उसके बैंक बैलेंस से। पैसा आना बुरी बात नहीं है, पर जब पैसा आँखों पर पट्टी बाँध दे, तो वही पैसा इंसान को इंसान रहने नहीं देता।

ऐसे लोग बढ़ते जा रहे हैं जिन्हें लगता है कि दुनिया उनके इशारे पर चलेगी। बोलने की तमीज नहीं, सुनने का धैर्य नहीं, और सामने वाले की इज्ज़त करने का भाव तो बिलकुल नहीं। उनके लिए रिश्ता वही है जहाँ से फायदा हो, बात वही है जहाँ से स्वार्थ सध जाए, और इंसान वही है जो उनके काम आ सके। काम निकलते ही वही इंसान पराया हो जाता है।सवाल ये है कि ये लोग ऐसे माहौल में कैसे जी लेते हैं? जवाब सीधा है-क्योंकि समाज चुप रहता है। हममें से ज़्यादातर लोग सोचते हैं कि पैसा वाले से पंगा क्यों लें, रहने दो, अपना काम बनता रहे। इसी चुप्पी ने बदतमीजी को हिम्मत दे दी है। धीरे-धीरे ये लोग समझने लगते हैं कि पैसा ही सब कुछ है। और जब पैसा ही सब कुछ लगने लगे, तो इंसान के अंदर का इंसान मरने लगता है।संस्कार कोई किताब में लिखी चीज़ नहीं है जो खरीद ली जाए। संस्कार घर से आते हैं, माँ की सीख से आते हैं, पिता के अनुशासन से आते हैं, बुजुर्गों के संग से आते हैं। जो लोग सिर्फ पैसा कमाने में लगे रहे, उन्होंने ये सीखा ही नहीं। उनके लिए इज्ज़त वो है जो झुककर मिले, प्यार वो है जो जरूरत पर मिले, और रिश्ता वो है जो काम दे। ऐसे लोगों के लिए जीवन एक सौदा बन जाता है। हर बात में नफा-नुकसान तौलते हैं, हर रिश्ते में हिसाब लगाते हैं। और जब सब कुछ हिसाब में बँध जाए, तो जीवन नरक सा लगने लगता है। बाहर से चमक, अंदर से खालीपन।पैसे की सबसे बड़ी भ्रांति ये है कि ये सब कुछ दिला सकता है। हाँ, पैसा आराम दिला सकता है, सुख-सुविधा दे सकता है, पहचान भी दिला सकता है। पर वो पहचान खोखली होती है। लोग आपको नहीं, आपके पैसे को सलाम करते हैं। जिस दिन जेब खाली हुई, उसी दिन सलाम करना भी बंद हो जाता है। असली इज्ज़त वो है जो आपकी अनुपस्थिति में भी बनी रहे। वो इज्ज़त पैसों से नहीं, बर्ताव से कमाई जाती है।समाज का दायित्व बनता है कि ऐसे लोगों को सिर पर न चढ़ाए।

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

हम अक्सर देखते हैं कि किसी शादी-समारोह में, किसी सभा में, सबसे ज़्यादा मान-सम्मान उसी को मिलता है जिसके पास पैसा है, चाहे उसका चरित्र कैसा भी हो। बच्चे यही देखते हैं। उन्हें लगता है कि शायद बदतमीज बनकर, दूसरों को नीचा दिखाकर भी आगे बढ़ा जा सकता है। और यही सोच धीरे-धीरे पूरे समाज को प्रदूषित कर देती है। जब गलत को सम्मान मिलने लगे, तो सही रास्ते पर चलने वाला खुद को बेवकूफ समझने लगता है।

इसका मतलब ये नहीं कि हर अमीर इंसान बुरा होता है। नहीं, बहुत से लोग हैं जिन्होंने पैसा कमाया और साथ में अपना ज़मीर भी बचाए रखा। वो जानते हैं कि पैसा एक साधन है, साध्य नहीं। उनके लिए धन सेवा का जरिया है, घमंड का नहीं। पर दिक्कत उन लोगों से है जिन्होंने पैसे को ही अपना भगवान बना लिया। जो ये भूल गए कि इंसान रोटी से ज़िंदा रहता है, पर जीता है सम्मान से।संस्कारों का अभाव सबसे ज़्यादा दिखता है भाषा में, बर्ताव में, और दूसरों के समय की कदर न करने में। जो व्यक्ति दो मिनट किसी की बात नहीं सुन सकता, जो हर बात में खुद को सही साबित करने में लगा रहता है, जो हर मौके पर अपनी अमीरी का रौब दिखाता है-वो समाज के लिए ज़हर है। एक ज़हरीला व्यक्ति पूरे माहौल को खराब कर देता है। बच्चे सीखते हैं कि चिल्लाना ताकत है, झुकाना जीत है, और नीचा दिखाना बुद्धिमानी है। धीरे-धीरे पूरी पीढ़ी का स्वभाव बदल जाता है।इसलिए समाज को ऐसे लोगों का बहिष्कार करना चाहिए। बहिष्कार का मतलब गाली-गलौज या हिंसा नहीं है। बहिष्कार का मतलब है उन्हें वो अहमियत न देना जिसके वो हकदार नहीं हैं। उन्हें मंच न देना, उनके गलत को सही न कहना, और अपने बच्चों को ये समझाना कि असली बड़ी वो है जो झुकना जानती हो। जब समाज गलत को आइना दिखाना शुरू करता है, तो गलत खुद सुधरने लगता है। क्योंकि इंसान को सबसे ज़्यादा डर अकेले पड़ने का होता है। याद रखना चाहिए कि पैसा आता-जाता रहता है। आज जिसके पास है, कल उसके पास न भी हो। पर संस्कार और व्यवहार वो पूँजी है जो कभी खत्म नहीं होती। वो पूँजी पीढ़ी दर पीढ़ी चलती है। एक संस्कारी व्यक्ति मरकर भी याद रहता है, जबकि घमंडी व्यक्ति जीते जी भी भुला दिया जाता है।

अंत में यही कहूँगा कि जीवन को नरक बनाने की ज़रूरत नहीं है। पैसा कमाओ, पर इंसानियत न बेचो। तरक्की करो, पर ज़मीर न गिराओ। अगर आज हमने बदतमीजी को सहन किया, तो कल हमारी आने वाली पीढ़ी उसी बदतमीजी में जीने को मजबूर होगी। और तब शिकायत करने का हक भी नहीं बचेगा।समाज को साफ रखना है तो हमें साफ लोग चुनने होंगे अपने मित्रों में, अपने आदर्शों में, और अपने सम्मान में। क्योंकि समाज वही बनता है जिसे हम सहन करते हैं।

हिमाचल में पर्यटन की नई संभावनाएँ और चुनौतियाँ

हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता, बर्फ से ढकी पर्वत श्रृंखलाओं, हरे-भरे जंगलों, नदियों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के कारण देश के सबसे लोकप्रिय पर्यटन राज्यों में गिना जाता है। शिमला, मनाली, धर्मशाला, डलहौजी और किन्नौर जैसे स्थान वर्षों से देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करते रहे हैं। पर्यटन न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती देता है, बल्कि लाखों लोगों के रोजगार का भी प्रमुख साधन है। होटल उद्योग, टैक्सी सेवाएँ, हस्तशिल्प, स्थानीय बाजार और छोटे व्यवसाय पर्यटन पर निर्भर हैं। बदलते समय के साथ पर्यटन का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। अब पर्यटक केवल घूमने के लिए नहीं, बल्कि नई संस्कृति, रोमांच, प्राकृतिक जीवन और स्थानीय अनुभवों को महसूस करने के लिए यात्रा कर रहे हैं। ऐसे में हिमाचल प्रदेश के सामने पर्यटन के क्षेत्र में नई संभावनाएँ खुल रही हैं, वहीं कई गंभीर चुनौतियाँ भी सामने आ रही हैं।

आज के समय में इको-टूरिज्म यानी पर्यावरण के अनुकूल पर्यटन की मांग तेजी से बढ़ रही है। लोग भीड़भाड़ वाले स्थानों की बजाय शांत और प्राकृतिक वातावरण वाले क्षेत्रों में समय बिताना पसंद कर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के जंगल, घाटियाँ, वन्यजीव अभयारण्य और ट्रैकिंग रूट इको-टूरिज्म के लिए बेहद उपयुक्त हैं। तीर्थन वैली, स्पीति घाटी और ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क जैसे क्षेत्र प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं। यदि सरकार इन क्षेत्रों का विकास पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखकर करे, तो यह पर्यटन के क्षेत्र में बड़ा अवसर साबित हो सकता है। इसके साथ ही ग्रामीण पर्यटन की संभावनाएँ भी तेजी से बढ़ रही हैं। हिमाचल के गांव अपनी पारंपरिक संस्कृति, लोक संगीत, पहाड़ी भोजन और सरल जीवनशैली के लिए प्रसिद्ध हैं। अब पर्यटक होटलों की बजाय होम-स्टे में रहकर स्थानीय संस्कृति को करीब से जानना पसंद कर रहे हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं और स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि हो रही है।

हिमाचल प्रदेश एडवेंचर टूरिज्म के लिए भी एक आदर्श राज्य माना जाता है। यहाँ ट्रैकिंग, पैराग्लाइडिंग, स्कीइंग, रिवर राफ्टिंग, कैंपिंग और माउंटेन बाइकिंग जैसी गतिविधियों की अपार संभावनाएँ हैं। बीड़-बिलिंग आज विश्व स्तर पर पैराग्लाइडिंग के लिए प्रसिद्ध हो चुका है। मनाली और लाहौल-स्पीति में एडवेंचर गतिविधियाँ युवाओं को विशेष रूप से आकर्षित कर रही हैं। यदि राज्य सरकार आधुनिक सुविधाओं, सुरक्षा मानकों और प्रशिक्षण व्यवस्था को मजबूत करे, तो हिमाचल एडवेंचर टूरिज्म के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय पहचान बना सकता है। इसके अलावा धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन भी राज्य की बड़ी ताकत है। हिमाचल को 卐देवभूमि卐 कहा जाता है क्योंकि यहाँ हजारों प्राचीन मंदिर और धार्मिक स्थल मौजूद हैं। ज्वालामुखी, चामुंडा देवी, नैना देवी और मणिकर्ण जैसे धार्मिक स्थलों पर हर वर्ष लाखों श्रद्धालु आते हैं। धर्मशाला और मैक्लोडगंज जैसे क्षेत्र बौद्ध संस्कृति और ध्यान केंद्रों के कारण विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करते हैं।

विशाल कल्याण

डिजिटल युग में पर्यटन को सोशल मीडिया और फिल्मों से भी नई पहचान मिल रही है। हिमाचल की खूबसूरत वादियाँ लंबे समय से फिल्म निर्माताओं की पसंद रही हैं। अब इंस्टाग्राम, यूट्यूब और ट्रैवल ब्लॉग्स के कारण कई छोटे और अनजान क्षेत्र भी लोकप्रिय हो रहे हैं। फिल्म पर्यटन और डिजिटल प्रचार राज्य के पर्यटन उद्योग को नई दिशा दे सकते हैं। इसके अलावा विंटर टूरिज्म यानी शीतकालीन पर्यटन की संभावनाएँ भी तेजी से बढ़ रही हैं। हर वर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक बर्फबारी देखने हिमाचल आते हैं। कुफरी, नारकंडा और सोलंग घाटी जैसे क्षेत्रों में स्कीइंग और स्नो स्पोर्ट्स को बढ़ावा देकर पर्यटन को पूरे वर्ष सक्रिय रखा जा सकता है।

हालांकि पर्यटन के बढ़ते विस्तार के साथ कई गंभीर चुनौतियाँ भी सामने आ रही हैं। सबसे बड़ी समस्या पर्यावरणीय दबाव की है। बढ़ती पर्यटक संख्या के कारण प्लास्टिक कचरा, जल प्रदूषण और जंगलों पर दबाव बढ़ता जा रहा है। कई पर्यटन स्थलों पर अनियोजित निर्माण कार्यों ने प्राकृतिक संतुलन को नुकसान पहुँचाया है। पहाड़ों में अत्यधिक निर्माण के कारण भूस्खलन और प्राकृतिक आपदाओं का खतरा भी बढ़ रहा है। इसके अलावा कई क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं की कमी भी एक बड़ी चुनौती है। सड़कें संकरी हैं, पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है और स्वास्थ्य सुविधाएँ भी सीमित हैं। पर्यटन सीजन के दौरान ट्रैफिक जाम और भीड़ की समस्या आम हो जाती है। दूरदराज क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए बेहतर सड़क और परिवहन व्यवस्था की आवश्यकता है।

जल संकट भी हिमाचल के पर्यटन क्षेत्र के लिए गंभीर समस्या बनता जा रहा है। गर्मियों के मौसम में कई पर्यटन स्थलों पर पानी की भारी कमी हो जाती है। बढ़ते होटल और पर्यटकों की संख्या स्थानीय जल स्रोतों पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। शिमला जैसे शहरों में पानी की समस्या कई बार गंभीर रूप ले चुकी है। यदि जल संरक्षण और प्रबंधन पर विशेष ध्यान नहीं दिया गया, तो भविष्य में यह पर्यटन विकास के लिए बड़ी बाधा बन सकता है। जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भी हिमाचल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। बर्फबारी में कमी, अनियमित वर्षा और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती घटनाएँ पर्यटन उद्योग को प्रभावित कर रही हैं। ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना पर्यावरणीय संतुलन के लिए खतरा बन रहा है।

पर्यटन का अत्यधिक व्यावसायीकरण स्थानीय संस्कृति और परंपराओं पर भी प्रभाव डाल रहा है। आधुनिकता और बाहरी प्रभावों के कारण कई पारंपरिक लोक कलाएँ और सांस्कृतिक मूल्य कमजोर पड़ रहे हैं। इसके अलावा पर्यटन का विकास कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित है, जबकि कई सुंदर और संभावनाओं से भरपूर क्षेत्र अब भी उपेक्षित हैं। इससे शिमला और मनाली जैसे क्षेत्रों पर अत्यधिक दबाव बढ़ रहा है। इसलिए संतुलित और योजनाबद्ध पर्यटन नीति की आवश्यकता है ताकि नए क्षेत्रों को भी पर्यटन मानचित्र पर लाया जा सके।

हिमाचल प्रदेश में पर्यटन के विकास के लिए टिकाऊ और जिम्मेदार नीति अपनाना अत्यंत आवश्यक है। सरकार को पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए इको-फ्रेंडली पर्यटन को बढ़ावा देना चाहिए। ग्रामीण और कम प्रसिद्ध क्षेत्रों को विकसित करके पर्यटन का संतुलित विस्तार किया जा सकता है। स्थानीय युवाओं को पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में प्रशिक्षण देकर रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं। साथ ही सड़क, स्वास्थ्य, इंटरनेट और जल प्रबंधन जैसी सुविधाओं को मजबूत करना भी जरूरी है। पर्यटकों को भी जिम्मेदार पर्यटन के प्रति जागरूक करना होगा ताकि वे प्राकृतिक संसाधनों और स्थानीय संस्कृति का सम्मान करें।

अंततः कहा जा सकता है कि हिमाचल प्रदेश में पर्यटन की अपार संभावनाएँ मौजूद हैं। प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विविधता और साहसिक गतिविधियाँ इसे विश्व स्तर पर विशेष पहचान दिला सकती हैं। लेकिन यदि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन नहीं बनाया गया, तो भविष्य में गंभीर समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि पर्यटन को केवल आर्थिक लाभ का माध्यम न मानकर, प्रकृति और संस्कृति के संरक्षण के साथ जोड़ा जाए। टिकाऊ और योजनाबद्ध पर्यटन नीति ही हिमाचल प्रदेश को भविष्य में पर्यटन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है।

काफल : हिमालय का स्वादिष्ट और औषधीय गुणों से भरपूर अनमोल जंगली फल

काफल एक प्रसिद्ध और स्वादिष्ट जंगली पहाड़ी फल है, जिसे अंग्रेज़ी में 'Himalayan Bayberry' कहा जाता है। इसका वैज्ञानिक नाम मिरिका एस्कुलेंटा (Myrica esculenta) है। यह मुख्य रूप से हिमालय के मध्य क्षेत्रों में पाया जाने वाला एक रसीला और खट्टा-मीठा फल है। पेड़ समुद्र तल से लगभग 900 से 2100 मीटर की ऊँचाई वाले पहाड़ी और समशीतोष्ण जंगलों में पनपते हैं। यह फल विशेष रूप से भारत (उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाकों) और नेपाल में पाया जाता है। हिमाचल प्रदेश में यह मुख्य रूप से शिमला, मंडी, सोलन और सिरमौर के जंगलों में होता है। इनके पेड़ो की ऊंचाई 10 से 15 मीटर तक होती है और ये 6 से 8 वर्षों के बाद फल देने शुरू कर देते हैं। इसके फूल अक्टूबर से दिसंबर तक खिलते है और अप्रैल/मई में इसमें फल लगते हैं।

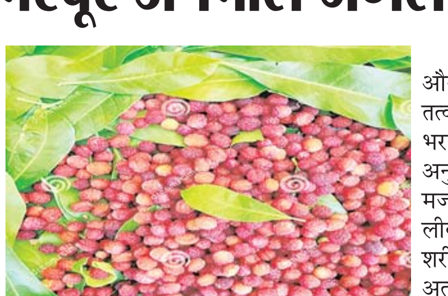

इसका पौधा अच्छी जल निकासी वाली, थोड़ी अम्लीय, दोमट से रेतीली मिट्टी में उगता है।

रंग और आकार : यह छोटे आकार का बेरी (गुठलीदार फल) होता है। पकने के बाद यह गहरे लाल, गुलाबी या बैंगनी रंग का हो जाता है। स्वाद और मौसम- इसका स्वाद बेहद रसीला, मीठा और हल्का खट्टा होता है। यह मुख्य रूप से गर्मियों के मौसम (अप्रैल से जून के बीच) में आता है।

सीमित जीवन : काफल का सीज़न बहुत छोटा (लगभग एक महीने) होता है और तुड़ाई के बाद यह बहुत जल्दी खराब हो जाता है (लगभग 2-3 दिन), इसलिए इसे ताज़ा ही खाया जाता है।

शशि पाल
प्रवक्ता इतिहास

औषधीय गुण : यह फल और इसके पेड़ की छाल पोषक तत्वों और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, यह पाचन तंत्र को मजबूत करने, थकान मिटाने, लीवर को स्वस्थ रखने और शरीर को गर्मी से बचाने में अत्यधिक लाभदायक है।

चरक संहिता में भी इसके अनेक गुणकारी लाभों के बारे में वर्णन किया गया है। काफल के छाल, फल, बीज, फूल सभी का इस्तेमाल आयुर्विज्ञान में किया जाता है।काफल सांस संबंधी समस्याओं, डायबिटीज, पाइल्स, मोटापा, सूजन, जलन, मुंह में छाले, मूत्रदोष, बुखार, अपच और शुक्राणु के लिए फायदेमंद होने के साथ ही दर्द निवारण में उत्तम है।

इसका पौधा नाइट्रोजन की कमी वाली मिट्टी को उपजाऊ बनाता है। काफल का उपयोग शरबत, जैम, जेली, चटनी आदि के रूप में भी किया जाता है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के लोक साहित्य और लोक गीतों में काफल का गहरा प्रभाव है। आजकल हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में काफल 400 से 500 रुपए प्रति किलो के हिसाब से बाजारों में बिक रहा है।

शिखर पर महिलाओं के होने का मतलब

बंगाल में पराजय के बाद ममता बनर्जी मुश्किल में हैं। उनके सहयोगी ही उनके खिलाफ खड़े हो रहे हैं। ममता यह दिखा रही हैं कि किस तरह हर वक्त संविधान बचाने और लोकतंत्र की दुहाई देने वाले नेता चुनाव परिणाम अपने अनुकूल न आने के बाद किसी भी तरह के झूठ से परहेज नहीं करते। पता नहीं क्यों नेता यह मानकर बैठ जाते हैं कि कोई राज्य उनकी निजी जागीर है और वे हमेशा ही वहां बने रहेंगे? ममता की हार पर दो तरह के विमर्श चालू हैं। एक पक्ष कह रहा है कि उनकी हार उनकी पार्टी की गुंडागर्दी, तानाशाहीपूर्ण नीतियों, अवैध वसूली, भ्रष्टाचार तथा हिंदुओं की नाराजगी के कारण हुई। दूसरा पक्ष उनकी हार पर कह रहा है-देश से लोकतंत्र खत्म हो गया, फासिज्म आ गया आदि।

फासिज्म का राग अलापने वाले यह नहीं बताते कि आपातकाल के दिनों में या हिटलर, मुसोलिनी, माओ, स्टालिन, शी चिनफिंग, किम इल सुंग से किम इल जोंग आदि के शासनकाल में क्या वे इतना बोल सकते थे? डिजिटल मीडिया पर जो चाहे, लिख सकते थे। आपातकाल को इस लेखिका ने देखा है। जहां किसी को भी बिना किसी जांच के उठा लिया जाता था। फिर उसका पता न चलता था। आपातकाल को भी एक महिला नेता इंदिरा गांधी ने ही लगाया था। तब लोकतंत्र के बहुत से हिमायतियों को सांप सूंघ गया था। दूरदर्शन, रेडियो, अखबारों में बाकायदा सरकार के लोग बैठे रहते, जो हर खबर को देखते। तभी वह छप सकती थी या प्रसारित हो सकती थी।

मायावती उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं, उन्होंने राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति को वाकई बहुत सुधारा, लेकिन उन पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगे। हालांकि वे साबित नहीं हुए। कुछ साल पहले ममता बनर्जी की तरह ही उन्होंने भी अपने भतीजे को अपना उत्तराधिकारी बना दिया। तमिलनाडु में जब जयललिता आईं तो उनकी परम मित्र शशिकला का बोलबाला हो गया था। जयललिता पर भी भ्रष्टाचार के खूब आरोप लगे। वह पहली मुख्यमंत्री थीं, जिन्हें इस पद पर रहते हुए जेल जाना पड़ा। शीला दीक्षित जब दिल्ली की मुख्यमंत्री थीं, तो निश्चित रूप से उन्होंने दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास में बहुत योगदान दिया, लेकिन उन्हें भी भ्रष्टाचार के आरोपों से दो-चार होना पड़ा। उन्होंने भी अपने बेटे को आगे बढ़ाने की कोशिश की। पत्नी राबड़ी देवी को लालू प्रसाद यादव ने बिहार का मुख्यमंत्री बना दिया था। उन पर भी जमीन के बदले नौकरी और आइआरसीटीसी घोटाले में लिप्त होने के आरोप लगे हैं। सुनवाई हो रही है। उनके उत्तराधिकारी तेजस्वी यादव और मीसा भारती बन गए हैं।

आखिर ऐसा क्यों है कि शिखर पर पहुंचते ही कई नेत्रियों को वही रास्ता सुविधाजनक लगता है, जिसे चुनौती देकर वे सत्ता में आती हैं। अपने रिश्तेदारों के अलावा, उत्तराधिकारी के लिए इन्हें कोई और योग्य क्यों नहीं लगता? उन विचारों का कितना महत्व है, जो कहते हैं कि स्त्रियां ही दुनिया को नष्ट होने से बचा सकती हैं। वे भी इसी पितृसत्तात्मक समाज का हिस्सा हैं, इसलिए जाने-अनजाने वे भी वही तौर-तरीके अपनाती हैं। तब फिर शिखर पर रहकर वे क्या बदलती हैं? कहावत है- एब्सोल्यूट पावर करप्टस एब्सोल्यूटली या हिंदी की कहावत है-काजर की कोठरी में कैसो ही सयानो जाय..। ये सच मालूम देती हैं। अक्सर कहा जाता है कि स्त्रियां यदि सत्ता के शिखर पर पहुंच जाएं, तो लोगों की तकदीर बदल सकती है, क्योंकि वे भ्रष्ट नहीं होतीं। वे पानी, सफाई, पोषण, स्कूल, सड़कों आदि को सुधारने की पहल करती हैं। बहुत सी ग्राम प्रधान स्त्रियों के बारे में छपता भी रहता है कि उन्होंने किस तरह अपने प्रयासों से गांवों की सूरत बदल दी।

प्रायः हमारी तुलना दूसरे देशों से की जाती है कि वहां देखो, कितना अच्छा है, लेकिन अमेरिका में अपराधी न स्त्री होती है, न पुरुष, वह सिर्फ अपराधी होता है। वहां ऐसा कोई नियम नहीं कि स्त्री अपराधी को पुरुष पुलिस वाले नहीं पकड़ सकते। न ही भारत की तरह यह नियम है कि सूर्यास्त के बाद किसी स्त्री अपराधी को आमतौर पर नहीं पकड़ा जा सकता। वहां अपराध के मामले में न स्त्री होना काम आता है, न रंग, भाषा, प्रदेश, प्रांत का सवाल उठता है। अपने यहां तो जैसे ही कोई अपराध करता है, उसकी जाति , लिंग, धर्म, भाषा देखी जाने लगती है।

जब से बंगाल के चुनाव हुए हैं, न जाने कितने भयावह वीडियो और रील्स देखी हैं। वहां की स्त्रियां बताती हैं कि मामूली बातों पर उनके पति, बेटों को घर से खींचकर उनके सामने ही मार दिया गया। लड़कियों का दुष्कर्म, अपहरण, घरों, जमीन पर कब्जा, मवेशियों को खोल ले जाना आम बात थी। पुलिस ने भी उनकी कोई मदद नहीं की। कुछ स्त्रियों ने कहा कि चुनाव के दौरान उनके घर सफेद साड़ियां भिजवाई जातीं यानी कि यदि तुमने हमें वोट नहीं दिया, तो इन्हें पहनना। मतलब कि विधवा हो जाओगी। क्या यह देखकर हैरत नहीं होती कि आज भी बंगाल में विधवा होना कितना दुखद है। वृंदावन की विधवाओं में अधिकांश बंगाल से ही आती हैं। यह राजा राममोहन राय जैसे समाज सुधारक की वही धरती है, जहां उन्होंने सती प्रथा और बाल विवाह के खिलाफ, विधवा विवाह तथा स्त्री शिक्षा के समर्थन में आंदोलन चलाया था।

संक्षिप्त न्यूज

जिला के विभिन्न फल संतति एवं प्रदर्शन उद्यानों की होगी नीलामी

बिलासपुर(जितेंद्र गौतम/धर्मपाल)– जिला के विभिन्न फल संतति एवं प्रदर्शन उद्यानों की होगी नीलाम-उप निदेशक उद्यान, बिलासपुर, ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला के विभिन्न फल संतति एवं प्रदर्शन उद्यानों की वर्ष 2026-27 की फल फसल की नीलामी विभाग द्वारा आयोजित की जाएगी। जिनमें फलोद्यान केंद्र निहारी में आम व लीची की नीलामी 08 जून को प्रात: 11:30 बजे होगी, जिसके लिए धरोहर राशि 5 हजार रुपए निर्धारित की गई है। फलोद्यान केंद्र बरोहा में आम व लीची की नीलामी 08 जून को दोपहर 2:30 बजे आयोजित होगी तथा धरोहर राशि 15 सौ रुपये रहेगी। फलोद्यान केंद्र कोट कहलूर में आम की नीलामी 09 जून को प्रात: 11:30 बजे तथा गुरु का लाहौर में आम की नीलामी 09 जून को दोपहर 2:00 बजे आयोजित की जाएगी, जिनके लिए धरोहर राशि 2-2 हजार रुपये निर्धारित की गई है। इसी प्रकार फलोद्यान केंद्र सलोआ में आम व लीची की नीलामी 10 जून को प्रात: 11:30 बजे तथा फलोद्यान केंद्र निहाल में आम की नीलामी 11 जून को दोपहर 2 बजे आयोजित होगी, जिनके लिए धरोहर राशि 1-1 हजार रुपये निर्धारित की गई है।

उन्होंने बताया कि इच्छुक ठेकेदार कार्यालय समय में किसी भी दिन संबंधित फलोद्यानों में जाकर फल फसल का निरीक्षण कर सकते हैं। नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्तियों को निर्धारित धरोहर राशि नीलामी समिति अथवा प्रभारी फलोद्यान के समक्ष जमा करवानी होगी। अंतिम बोली प्राप्त करने वाले ठेकेदार को कुल बोली राशि का 50 प्रतिशत भाग, धरोहर राशि के अतिरिक्त, नीलामी समाप्ति के तुरंत बाद जमा करवाना अनिवार्य होगा। शेष राशि फल तोड़ने से पूर्व जमा करवानी होगी।

गुगा अलसाहन में श्रीमद्भागवत कथा का भक्तिमय आयोजन, श्रद्धालुओं ने लिया धर्म और भक्ति का संदेश

बंगाणा (जोगिंद्र देव आर्य)– गुगा अलसाहन में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन कथा वाचक आचार्य विवेक शर्मा ने श्रद्धालुओं को कथा का रसपान करवाया। कथा के दौरान उन्होंने भगवान की भक्ति, सत्संग और धर्म के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। आचार्य विवेक शर्मा ने कहा कि मनुष्य जीवन में अच्छे कर्म और भगवान का स्मरण ही सच्चे सुख का मार्ग है। कथा सुनने के लिए क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और भक्ति भाव से कथा श्रवण किया। कार्यक्रम स्थल पर भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना रहा। आयोजकों ने बताया कि कथा का आयोजन आगामी दिनों तक श्रद्धा और उत्साह के साथ जारी रहेगा।

द्वितीय चरण के मतदान के लिए सभी तैयारियां पूर्ण : मनमोहन शर्मा

सोलन, (बी. शर्मा)– ज़िला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि ज़िला में 28 मई, 2026 को द्वितीय चरण में होने वाले पंचायती राज संस्थानों के मतदान की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि मतदान का समय प्रात: 07.00 बजे से सांय 03.00 बजे तक निर्धारित किया गया है। मनमोहन शर्मा ने कहा कि 28 मई, 2026 को सोलन ज़िला की कुल 86 ग्राम पंचायतों में मतदान होगा। इन ग्राम पंचायतों में कुल 119744 मतदाता हैं। इनमें 61019 पुरुष तथा 58725 महिला मतदाता हैं।

उन्होंने कहा कि सोलन ज़िला में द्वितीय चरण के निर्वाचन के लिए कुल 524 मतदान केन्द्र स्थापित किए गए हैं।

ज़िला निर्वाचन अधिकारी (निर्वाचन) ने कहा कि विकास खण्ड धर्मपुर की 09 ग्राम पंचायतों में 11709 मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगे। इनमें 5993 पुरुष तथा 5716 महिला मतदाता हैं। विकास खण्ड धर्मपुर में द्वितीय चरण के निर्वाचन में मतदाताओं के लिए कुल 57 मतदान केन्द्र स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि विकास खण्ड कण्डाघाट की 10 ग्राम पंचायतों में 11028 मतदाता हैं। इनमें 5639 पुरुष तथा 5389 महिला मतदाता हैं।

विकास खण्ड कण्डाघाट में मतदाताओं के लिए कुल 52 मतदान केन्द्र स्थापित किए गए हैं।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि विकास खण्ड कुनिहार की 19 ग्राम पंचायतों में 24848 मतदाता हैं। इनमें 12582 पुरुष तथा 12266 महिला मतदाता हैं।

विकास खण्ड कुनिहार के मतदाताओं के लिए कुल 107 मतदान केन्द्र स्थापित किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि विकास खण्ड नालागढ़ की 26 ग्राम पंचायतों में 41689 मतदाता हैं। इनमें 21407 पुरुष तथा 20282 महिला मतदाता हैं।

विकास खण्ड नालागढ़ में द्वितीय चरण के निर्वाचन में मतदाताओं के लिए कुल 178 मतदान केन्द्र स्थापित किए गए हैं। मनमोहन शर्मा ने कहा कि विकास खण्ड पट्टा की 09 ग्राम पंचायतों में 13978 मतदाता हैं। इनमें 7122 पुरुष तथा 6856 महिला मतदाता हैं। विकास खण्ड पट्टा की 09 ग्राम पंचायतों के मतदाताओं के लिए कुल 55 मतदान केन्द्र स्थापित किए गए हैं। ज़िला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) ने कहा कि विकास खण्ड सोलन की 13 ग्राम पंचायतों में 16492 मतदाता 28 मई, 2026 को अपने मत का प्रयोग करेंगे। इनमें 8276 पुरुष तथा 8216 महिला मतदाता हैं।

विकास खण्ड सोलन के मतदाताओं के लिए कुल 75 मतदान केन्द्र स्थापित किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि मतदान समाप्ति के तुरंत बाद 28 मई, 2026 को ही वार्ड सदस्य, उप प्रधान व प्रधान पद के लिए मतगणना होगी तथा परिणाम घोषित किया जाएगा।

मनमोहन शर्मा ने सभी मतदाताओं से आग्रह किया है कि मतदान अवश्य करें ताकि लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं निर्णय में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

उत्तराखंड और पूर्वोत्तर राज्यों में बादल फटने की घटनाएं बढ़ने की संभावना: मुख्यमंत्री

» प्रथम न्यूज । शिमला
27 मई (बी.शर्मा)

मुख्यमंत्री ने टिकेंद्र पंवर की पुस्तक का विमोचन किया

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने मंगलवार सायं शिमला के गेयटी थियेटर में नगर निगम शिमला के पूर्व उप-महापौर टिकेंद्र पंवर द्वारा संपादित पुस्तक 'सिटी लिमिट्स-द क्राइसिज़ ऑफ अर्बनाइजेशन' का विमोचन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति ने हिमाचल प्रदेश को स्वच्छ आबोहवा और पानी का उपहार दिया है और इन संसाधनों का संरक्षण प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राज्य की राजधानी और सबसे बड़े शहर के रूप में शिमला ने पिछले कुछ वर्षों में अनेक बदलाव देखें है। उन्होंने कहा कि वह बचपन से लेकर अब तक शिमला शहर में हो रहे बदलावों को देख रहे हैं। जहां पहले जंगल हुआ करते थे, वहां अब इमारतें बन गई हैं। हिमाचल प्रदेश की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए यहां सुनियोजित निर्माण आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिमला शहर को तारों के जाल से निजात दिलवाने के लिए 145 करोड़ रुपये की लागत से भूमिगत डक्ट परियोजना क्रियान्वित की जा रही है। वर्तमान में सब्जी मंडी क्षेत्र में 600 करोड़ रुपये की लागत से एक आधुनिक परिसर विकसित किया जा रहा है। लिफ्ट के पास भी एक अंडरपास प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि शिमला शहर में 24 घंटे पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 800 करोड़ रुपये की जलापूर्ति योजना क्रियान्वित की जा रही है। इसके अलावा, सर्कुलर रोड को चौड़ा करने के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य जारी है और शहर की सुंदरता बनाए रखने के लिए अधिसूचित हरित क्षेत्रों को बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रदेश सरकार के सतत विकास को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संतुलन को केंद्र में रख कर शिमला शहर के सौंदर्यीकरण के लिए कई परियोजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हिम-चंडीगढ़, हिम-पंचकूला और कांगड़ा में एयरो सिटी जैसी नई शहरीकरण की परियोजनाएं तैयार की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त पर्यटन से संबंधित अधोसंरचना को भी मजबूत किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में हिमाचल प्रदेश ने दो बड़ी प्राकृतिक आपदाओं को झेला है, जिससे राज्य को भारी नुकसान हुआ था। उन्होंने कहा कि अब बादल फटने की घटनाओं का वैज्ञानिक अध्ययन किया जा रहा है, क्योंकि ऐसी घटनाएं अब केवल ऊंचाई वाले क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहीं बल्कि निचले क्षेत्रों में भी घटित हो रही हैं। उन्होंने सिराज विधानसभा क्षेत्र के कुछ हिस्सों में हुई घटनाओं का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गृह मंत्री के साथ आयोजित बैठक के दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्री को अवगत करवाया था कि भविष्य में बादल फटने की घटनाएं केवल हिमाचल प्रदेश तक सीमित नहीं रहेंगी। ऐसी घटनाएं उत्तराखंड और पूर्वोत्तर राज्यों में भी बढ़ सकती हैं। पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश को विकास के पथ पर अग्रसर करने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। इस अवसर पर झारखण्ड उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायामूर्ति तरलोक सिंह चौहान ने कहा कि लोगों को अपने आचरण में सुधार करने की आवश्यकता है। पर्यटन से संबंधित चिंताओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पर्यटकों के लिए जारी दिशा निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करने के साथ-साथ लोगों को अपनी सामूहिक जिम्मेदारी को समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई लोग पार्किंग सुविधा न होने के बावजूद कई वाहन खरीद रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल के समय में ट्रैफिक जाम का मुख्य कारण पर्यटकों के वाहन नहीं बल्कि मुख्य रूप से हिमाचल में पंजीकृत वाहन होते हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी को आत्म अवलोकन करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि राज्य में पूर्ण संस्थागत जवाबदेही की आवश्यकता है। शहरीकरण केवल डैमोग्राफिक बदलाव नहीं बल्कि समाज के पुनर्गठन की प्रक्रिया है। लाखों लोग साझा संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं और शहरी निकायों तथा योजना व्यवस्था पर निर्भर हैं। लेकिन हमारी संस्थाएं इस बदलाव के साथ कदमताल नहीं कर पा रही हैं। उन्होंने कहा कि संस्थागत क्षेत्रों में रहने वाली कमी से कमजोर लोग सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। इस अवसर पर शिमला के महापौर सुरेन्द्र चौहान, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार मीडिया नरेश चौहान, शिक्षा सचिव राकेश कंवर, डीजी होमगार्ड्स सतवंत अटवाल, ट्रिब्यून ब्यूरो प्रमुख प्रतिभा चौहान और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बामटा चुनाव में बड़ी लापरवाही, चार कर्मचारी निलंबित

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
27 मई (धर्मपाल)

जिला बिलासपुर के सदर विकास खंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बामटा में पंचायत चुनाव प्रक्रिया के दौरान हुई गंभीर प्रशासनिक चूक पर जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए चार कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मामले ने चुनावी व्यवस्था और मतगणना प्रक्रिया पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पंचायत बामटा के प्रधान, उपप्रधान और वार्ड सदस्य पदों की मतगणना के दौरान बड़ी गड़बड़ी सामने आई। संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा पंचायत चुनाव की मतपेटियों के स्थान पर गलती से जिला परिषद बामटा वार्ड की मतपेटी खोल दी गई। जैसे ही यह मामला उजागर हुआ, मतगणना स्थल पर हड़कंप मच गया और चुनाव ड्यूटी में तैनात अधिकारियों-कर्मचारियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए देर रात संबंधित मतपेटी को दोबारा सुरक्षित तरीके से वापस लाया गया तथा पूरी प्रक्रिया को प्रशासनिक निगरानी में रखा गया। प्रशासन ने इसे चुनाव प्रक्रिया में अत्यंत गंभीर लापरवाही मानते हुए तत्काल कार्रवाई करते हुए चार कर्मचारियों को निलंबित कर दिया।

सूत्रों के अनुसार जिला प्रशासन ने पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच के आदेश भी जारी कर दिए हैं ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह चूक किन परिस्थितियों में हुई और इसके लिए जिम्मेदार कौन-कौन लोग हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मामले को गंभीर बताते हुए स्पष्ट कहा है कि पंचायत चुनाव जैसी संवेदनशील प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही या नियमों की अनदेखी बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट आने के बाद यदि अन्य किसी अधिकारी या कर्मचारी की भूमिका सामने आती है तो उनके खिलाफ भी नियमानुसार कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस घटना के बाद चुनावी व्यवस्थाओं की कार्यप्रणाली को लेकर प्रशासन की सतर्कता और जवाबदेही पर चर्चा तेज हो गई है। वहीं स्थानीय लोगों में भी मामले को लेकर भारी नाराजगी देखने को मिल रही है।

प्रदेश में 1 जून से हर व्यक्ति को मिलेगा अपनी और परिवार की गणना का मौका

मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना 16 जून से शुरू

» प्रथम न्यूज । शिमला
27 मई (बी.शर्मा)

हिमाचल प्रदेश में इस बार हर व्यक्ति को अपनी और अपने परिवार की गणना का मौका मिलेगा। इसका लाभ यह होगा कि जनगणना का काम तेजी से और पारदर्शी हो सकेगा। स्वगणना के लिए डिजिटल तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। डिजिटल तकनीक के प्रयोग से प्रदेशवासियों को सीधे अपनी गणना और जानकारी अपलोड करने का मौका मिलेगा। इससे जनगणना प्रक्रिया में हर हर नागरिक की सटीक भागीदारी सुनिश्चित हो सकेगी।

इसके अंतर्गत, अब आम जनता एक सुरक्षित ऑनलाइन पोर्टल (se.census.gov.in) के माध्यम से स्वयं अपनी और अपने परिवार की जानकारी दर्ज कर सकेगी । यह कदम न केवल समय बचाएगा बल्कि डेटा की गोपनीयता और सटीकता को भी बढ़ाएगा । हिमाचल प्रदेश में यह सुविधा 1 जून से 15 जून 2026 तक उपलब्ध रहेगी । स्व-गणना के पश्चात नागरिकों को एक 11 अंकीय स्व-गणना आई.डी. नम्बर प्राप्त होगा । 16 जून 2026 से 15 जुलाई 2026 के मध्य जब जनगणना कर्मी (प्रगणक) घर-घर सर्वेक्षण करेंगे तब उन्हें यह आई.डी. प्रदान करना होगा । ऐसा करने पर स्व-गणना के दौरान पोर्टल पर प्रविष्ट जानकारी स्वत: प्रगणक के मोबाइल ऐप में प्रदर्शित हो जाएगी। यह प्रक्रिया नागरिकों के साथ-साथ प्रगणकों के लिए भी सहायक सिद्ध होगी।

शिमला स्थित जनगणना कार्य निदेशालय ने बताया कि भारत सरकार देश की आगामी जनगणना को पूरी तरह से आधुनिक, पारदर्शी और त्रुटिहीन बनाने के लिए संकल्पित है। इसी श्रृंखला में हिमाचल प्रदेश में जनगणना 2027 का प्रथम चरण यानि मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना 16 जून से 15 जुलाई तक संचालित किया जाएगा। फील्ड में तैनात प्रगणक इस बार कागजी फॉर्म लेकर नहीं, बल्कि एक अत्याधुनिक HLO मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करेंगे । इस ऐप के जरिए वास्तविक समय (Real-time) में डेटा दर्ज होगा, जिससे मानवीय त्रुटियों की सम्भावना खत्म होगी और डेटा प्रोसेसिंग की रफ्तार कई गुना बढ़ जाएगी।

जनगणना की इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी और प्रबंधन के लिए Census Management and Monitoring System (CMMS) पोर्टल तैयार किया गया है । यह पोर्टल अधिकारियों को लॉजिस्टिक्स, प्रोग्रेस ट्रैकिंग, प्रशिक्षण और संसाधनों के सही आवंटन में मदद करेगा। गौरतलब है कि जनगणना 2027 केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि डिजिटल इंडिया एवं विकसित भारत 2047 की ओर एक सशक्त कदम है। वहीं, इस डिजिटल बदलाव से न केवल देश के आर्थित संसाधनों की बचत होगी, बल्कि पर्यावरण-अनुकूल (Eco-friendly) तरीके से न्यूनतम समय में अंतिम आंकड़े देश के सामने आ सकेंगे। जनगणना कार्य निदेशालय द्वारा प्रदेशवासियों को डिजिटल जनगणना के बारे में संचार के विभिन्न माध्यमों से जागरूक भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में 29 मई 2026 को पत्रकारों के साथ संवाद करने का कार्यक्रम भी है।

कुटलैहड़ के ककराना अग्निकांड पीड़ित परिवार के बीच पहुंचे विधायक विवेक शर्मा, आर्थिक सहायता देकर बढ़ाया हौसला

बोले, मेरा कुटलैहड़, मेरा परिवार के संकल्प के साथ हर दुख-सुख में जनता के साथ है खड़े

» प्रथम न्यूज । शिमला
27 मई (बी.शर्मा)

कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के ककराना गांव में जंगली आग की चपेट में आने से एक दुकान में रखा सामान और नकद राशि जलकर राख हो गई। इस दर्दनाक घटना में पीड़ित परिवार को करीब तीन लाख रुपये का नुकसान हुआ है। मंगलवार को हुई इस घटना के बाद बुधवार सुबह कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा स्वयं मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया तथा आर्थिक सहायता भी प्रदान की। विधायक ने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी हरसंभव मदद की जाएगी। जानकारी के अनुसार ककराना क्षेत्र में जंगल में लगी आग ने अचानक विकराल रूप धारण कर लिया, जिसकी चपेट में एक दुकान आ गई। देखते ही देखते दुकान में रखा जरूरी सामान, दैनिक उपयोग की वस्तुएं और नकद राशि आग की भेंट चढ़ गई। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तेज लपटों के कारण नुकसान अधिक हो गया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दुख का माहौल बना हुआ है। बुधवार को विधायक विवेक शर्मा पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से भी बातचीत कर प्रभावित परिवार को उचित राहत उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि किसी परिवार की मेहनत की कमाई इस तरह आग में जल जाना बेहद दुखद है और इस कठिन समय में पूरा समाज तथा प्रशासन परिवार के साथ खड़ा है। विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि मेरा कुटलैहड़, मेरा परिवार केवल एक नारा नहीं बल्कि उनका संकल्प है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता उनके परिवार की तरह है और किसी भी व्यक्ति के दुख-सुख में साथ खड़ा रहना उनका कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि आपदा की इस घड़ी में पीड़ित परिवार को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा और हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाएं कभी भी किसी के जीवन को प्रभावित कर सकती हैं, लेकिन ऐसे समय में समाज और जन प्रतिनिधियों का दायित्व बढ़ जाता है। विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि उन्होंने हमेशा कोशिश की है कि क्षेत्र में किसी भी जरूरतमंद परिवार तक तुरंत सहायता पहुंच सके। उन्होंने प्रशासन से आग से हुए नुकसान का आंकलन कर उचित मुआवजा प्रक्रिया जल्द पूरी करने को भी कहा। पीड़ित परिवार ने विधायक विवेक शर्मा का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस मुश्किल समय में विधायक का उनके घर पहुंचना और सहायता देना उनके लिए बड़ी राहत और हिम्मत देने वाला कदम है। परिवार ने कहा कि आग की घटना से उन्हें भारी नुकसान हुआ है, लेकिन विधायक द्वारा दिए गए सहयोग और आश्वासन से उन्हें संबल मिला है।

इस दौरान स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता और ग्रामीण भी मौजूद रहे। ग्रामीणों ने विधायक के इस मानवीय कदम की सराहना करते हुए कहा कि विधायक विवेक शर्मा हमेशा क्षेत्र की जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनते हैं और हर संकट में सहायता के लिए आगे आते हैं। विधायक विवेक शर्मा ने लोगों से जंगलों में आग लगने की घटनाओं को लेकर भी सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि छोटी सी लापरवाही भी बड़े नुकसान का कारण बन सकती है। उन्होंने लोगों से पर्यावरण संरक्षण और जंगलों को सुरक्षित रखने में सहयोग देने का आग्रह किया ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके।

बड़गांव पंचायत चुनाव में मंगल सिंह ठाकुर बने प्रधान, 32 वोटों से दर्ज की जीत

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
27 मई (जितेंद्र गौतम)

मंगलवार को जन्मे विकास खण्ड झंडूता के अंतर्गत पड़ने वाली ग्राम पंचायत बड़गांव में हुए पंचायत चुनाव के परिणाम में मंगलवार के दिन मंगल सिंह ठाकुर ग्राम पंचायत बड़ागांव में प्रधान पद पर निर्वाचित हुए गौरतलब है कि इस पंचायत में प्रधान पद के चुनावों के लिए आठ उम्मीदवार अपना भाग्य आजमाने के लिए चुनावी मैदान में थे जिनमें मंगल सिंह ठाकुर ने पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष व तीन बार सहकारी सभा बड़गांव के अध्यक्ष रहे कैप्टन ओम प्रकाश चंदेल को 32 वोटों से हरा कर जीत दर्ज की। मंगल ठाकुर को 507 और श्री चंदेल को 475 वोट पड़े। इसके अलावा राजेश कुमार 90 पवन 62 ओंकार सिंह चंदेल को 60 और सुरेंद्र चंदेल को 29 वोट पड़े। पत्रकारीता से जुड़े मंगल ठाकुर ने कड़ी मशक्कत करने के पश्चात प्रधान पद पर बिजय हासिल की है जिसका श्रेय उन्होंने स्थानीय जनता को दिया है उन्होंने बताया कि बिना भेदभाव के पंचायत का संपूर्ण विकास करवाया जाएगा इसके अलावा सभी सरकारी योजनाओं का लाभ पंचायत वासियों को समय से दिया जाएगा।

कसौली की भीषण वनाग्नि पर सेना का बड़ा एक्शन, 15 घंटे के अभियान के बाद आग पर पाया काबू

» प्रथम न्यूज । शिमला
27 मई (बी.शर्मा)

15 घंटे से अधिक समय तक चले लगातार रात्रिकालीन अभियान और दिनभर जारी प्रयासों के दौरान, भारतीय सेना ने भारतीय वायुसेना, कसौली एवं चंडीगढ़ प्रशासन के नागरिक अधिकारियों तथा अन्य स्थानीय एजेंसियों के साथ घनिष्ठ समन्वय में कार्य करते हुए, कसौली के पश्चिमी ढलानों पर स्थित गिल्बर्ट ट्रेल और अपर मॉल क्षेत्र में भड़की भीषण वनाग्नि पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया है।

26 मई 2026 को लगभग दोपहर 3 बजे आग लगने के बाद, भारतीय सेना की कसौली ब्रिगेड ने घने जंगलों और दुर्गम क्षेत्र में आग के फैलाव को रोकने के लिए तुरंत और समन्वित कार्रवाई शुरू की। इस अभियान में सेना के जवानों, फायर टेंडरों और जल वाहनों द्वारा व्यापक जमीनी स्तर पर अग्निशमन प्रयास किए गए, वहीं भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों ने सुखना झील से पानी भरकर कई बम्बी बकेट सॉर्टीज़ के माध्यम से हवाई अग्निशमन अभियान चलाया। इन संयुक्त प्रयासों से गिल्बर्ट हिल और अपर मॉल सहित प्रमुख प्रभावित क्षेत्रों में आग पर काफी हद तक नियंत्रण पाया गया तथा इसे संवेदनशील वन क्षेत्रों तक फैलने से रोका गया।

सेना के कर्मी, जिनमें लड़ाकू और गैर-लड़ाकू दोनों प्रकार के कर्मचारी शामिल हैं, कठिन परिस्थितियों में लगातार कार्य कर रहे हैं। वे फायरब्रेक तैयार करने, संवेदनशील क्षेत्रों को अलग-थलग करने तथा शेष हॉटस्पॉट्स को बुझाने में जुटे हैं ताकि आग दोबारा न भड़क सके। दुर्गम क्षेत्रों में हवाई अग्निशमन अभियान अभी भी जारी है।

अभियान में तैनात सभी कर्मी और उपकरण सुरक्षित हैं। नागरिकों या राहतकर्मियों के बीच किसी प्रकार की जनहानि या चोट की सूचना नहीं है।

लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेन्द्र सिंह, एवीएसएम, एसएम**, आर्मी कमांडर, पश्चिमी कमान, ने प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर जारी अभियानों की समीक्षा की और जमीनी स्थिति का आकलन किया। उन्होंने अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में जवानों की त्वरित प्रतिक्रिया, साहस और अथक प्रयासों की सराहना की। उनके उत्कृष्ट पेशेवर कौशल और समर्पण के सम्मान में, उन्होंने अग्निशमन अभियान में सक्रिय रूप से शामिल कर्मियों को ऑन-द-स्पॉट प्रशंसा पत्र प्रदान किए। यह अभियान एक बार फिर भारतीय सशस्त्र बलों की उच्च स्तर की ऑपरेशनल रेडीनेस, अंतर-एजेंसी समन्वय तथा प्राकृतिक आपदाओं और मानवीय आपात स्थितियों के दौरान जीवन, संपत्ति और पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सनराइजर्स का सफर समाप्त, IPL के दूसरे क्वालिफायर में पहुंची राजस्थान

राजस्थान रॉयल्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 47 रनों से हराकर क्वालिफायर-दो में जगह बना ली। अब टीम का सामना गुजरात टाइटंस से 29 मई यानी शुक्रवार को होगा। बुधवार को मुल्लांपुर में खेले गए आईपीएल मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान ने वैभव सूर्यवंशी (97) और ध्रुव जुरेल (50) की तूफानी पारियों की मदद से 20 ओवर में आठ विकेट पर 243 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद 19.2 ओवर में सिर्फ 196 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई।

करो या मरो की स्थिति वाला होगा मुकाबला

राजस्थान और गुजरात के लिए क्वालिफायर-2 मुकाबला करो या मरो की स्थिति वाला होगा। इस मैच में जीतने वाली टीम 31 मई को गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ फाइनल मैच खेलेगी। यह मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

राजस्थान की पारी

राजस्थान को वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 48 गेंदों में 125 रन की साझेदारी की। वैभव ने 16 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 29 गेंदों में 12 छक्कों और पांच चौकों के साथ 97 रन की पारी खेली, जबकि जायसवाल ने 29 गेंदों में 29 रन जुटाए। आरआर ने 137 के स्कोर तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए थे।

यहां से कप्तान रियान पराग ने ध्रुव जुरेल के साथ तीसरे विकेट के लिए 21 गेंदों में

55 रन की साझेदार की। ध्रुव ने 21 गेंदों में तीन छक्कों और पांच चौकों के साथ 50 रन बनाए।

इनके अलावा, डोनोवन फरेरा और रवींद्र जडेजा ने 12-12 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी खेमे से प्रफुल हिंगे ने 54 रन देकर सर्वाधिक तीन विकेट निकाले। इसके अलावा, ईशान किशन, शिवांग कुमार और नीतीश रेड्डी ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

हैदराबाद की पारी

इसके जवाब में सनराइजर्स हैदराबाद 19.2 ओवरों में 196 रन पर सिमट गई। इस टीम को दूसरी गेंद पर अभिषेक शर्मा (0) के रूप में बड़ा झटका लग गया था, जिसके बाद ईशान किशन ने ट्रेविस हेड के साथ दूसरे विकेट के लिए महज 15 गेंदों में 51 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूती दी, लेकिन ईशान (33) के पवेलियन लौटते ही टीम बिखर गई।

आलम ये रहा कि एसआरएच ने 6.5 ओवरों में अपने पांच विकेट गंवा दिए थे। अभी तक टीम के खाते में सिर्फ 81 रन ही जुड़े थे। इसके बाद सलिल अरोड़ा ने नितीश रेड्डी के साथ छठे विकेट के लिए 56 रन की साझेदारी की, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

नीतीश 38 रन बनाकर आउट हुए, जबकि सलिल ने 35 रन की पारी खेली। शिवांग कुमार ने 27 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। विपक्षी खेमे से जोफ्रा आर्चर ने सर्वाधिक तीन विकेट हासिल किए।

नांद्रे बर्गर, सुशांत मिश्रा और रवींद्र जडेजा ने दो-दो विकेट हासिल किए, जबकि यश राज ने एक विकेट प्राप्त किया।

वैभव सूर्यवंशी को खिला डाला तो लाइफ झिंगा लाला, 15 की उम्र में तोड़ डाला क्रिस गेल का 14 साल पुराना रिकॉर्ड

वैभव सूर्यवंशी ने क्रिस गेल का 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना राजस्थान रॉयल्स से हो रहा है। हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। राजस्थान की ओर से वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल मैदान पर आए।

वैभव ने आते ही हैदराबाद के गेंदबाजों की क्लास लगाना शुरू की। चौथी ओवर में ही उन्होंने 16 गेंदों पर फिफ्टी पूरी की। इस दौरान वैभव ने 1 चौका और 8 सिक्स लगाए। इसके साथ ही वह आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया।

पहला ओवर करने आए पैट कमिंस की आखिरी गेंद पर सिक्स जड़कर वैभव

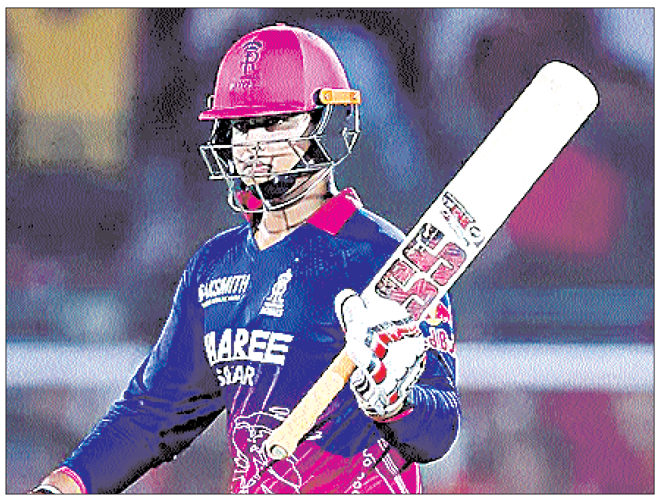

ने अपने इरादे साफ कर दिए। दूसरे ओवर में उन्होंने ईशान मलिंगा को भी 1 सिक्स लगाया। तीसरे ओवर में कमिंस को उन्होंने लगातार 3 सिक्स लगाए। साकिब हुसैन ने चौथा ओवर किया। इस ओवर में भी वैभव ने 3 सिक्स लगाए और अपनी फिफ्टी पूरी की। वैभव सूर्यवंशी आईपीएल सीजन में 600 रन पूरे करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड ऋषभ पंत के नाम था, जिन्होंने 2018 में यह उपलब्धि हासिल की थी।

आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स

वैभव सूर्यवंशी : 60* सिक्स (2026)
क्रिस गेल : 59 सिक्स (2012)
आंद्रे रसेल : 52 सिक्स (2019)
अभिषेक शर्मा: 43 सिक्स (2024)

IPL नॉकआउट/प्लेऑफ में सबसे तेज अर्धशतक

16 - सुरेश रैना बनाम पंजाब किंग्स, वानखेड़े, 2014
16 - वैभव सूर्यवंशी बनाम सनराइजर्स हैदराबाद, मुल्लनपुर, 2026*
17 - एडम गिलक्रिस्ट बनाम दिल्ली कैपिटल्स, सेंचुरियन, 2009
20 - एमएस धोनी बनाम मुंबई इंडियंस, बेंगलुरु, 2012
21 - ड्वेन स्मिथ बनाम चेन्नई सुपर किंग्स, दिल्ली, 2013
21 - वीरेंद्र सहवाग बनाम चेन्नई सुपर किंग्स, वानखेड़े, 2014
21 - रजत पाटीदार बनाम गुजरात टाइटंस, धर्मशाला, 2026

मुंबई इंडियंस के खराब प्रदर्शन के बाद हार्दिक पांड्या ने उठाया बड़ा कदम, इस करीबी चीज से बना ली दूरी

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में 5 बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन शर्मनाक रहा। लीग स्टेज में हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली टीम 14 में से सिर्फ 4 मैच ही जीत सकी। 8 अंकों के साथ टीम प्वाइंट्स टेबल में 9वें पायदान पर रही। 19वें सीजन से बाहर होने के बाद मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने बड़ा कदम उठया। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया है!

मुंबई इंडियंस के कप्तान पांड्या सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। बुधवार शाम को उनके अकाउंट पर दिखाई दिया, सॉरी, यह पेज उपलब्ध नहीं है। आपने जिस लिंक पर क्लिक किया है वह काम नहीं कर रहा है, या पेज हटा दिया गया है। इंस्टाग्राम पर वापस जाएं। हार्दिक के लाखों फॉलोअर्स थे। इससे पहले खबर आई थी कि उन्होंने मुंबई इंडियंस को अनफॉलो कर दिया।

आईपीएल 2026 में हार्दिक का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। वह गेंद और बल्ले से फेल रहे। उन्होंने 8 पारियों में 146 रन बनाए और 3 विकेट चटकाए। चोट के कारण वह कुछ मैच नहीं खेले। ऐसे में सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा ने मुंबई की कमान संभाली थी। पूर्व भारतीय बल्लेबाज वसीम जाफर ने कहा कि हालांकि वह अगले साल हार्दिक को मुंबई का कप्तान बनाए रखना नहीं चाहेंगे, लेकिन फ्रेंचाइजी को उन्हें जरूर टीम में रखना चाहिए ताकि वह पूरी तरह से अपने व्यक्तिगत खेल पर फोकस कर सकें। जाफर ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, मैं उन्हें कप्तान नहीं बनाऊंगा, लेकिन उन्हें जरूर टीम में रखा जाएगा। मैं चाहता हूं कि वह खुलकर खेलें और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।

मुंबई इंडियंस ने 2020 से आईपीएल का खिताब नहीं जीता है। 2019 और 2020 में फ्रेंचाइजी ने बैक टू बैक खिताब जीता था। इसे पहले रोहित शर्मा की कप्तानी में फ्रेंचाइजी 2017, 2015 और 2013 में चैंपियन बनी थी। हार्दिक ने आईपीएल में अब तक खेले 162 मैच में 2955 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 10 फिफ्टी निकली हैं। लीग में वह अब तक 82 विकेट भी चटका चुके हैं।

अवैध इमिग्रेशन रैकेट पर शिकंजा, चंडीगढ़ पुलिस ने दो आरोपी दबोचे

न्यूज़ीलैंड वर्क परमिट के नाम पर लाखों की ठगी, इमिग्रेशन फर्म संचालक गिरफ्तार

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
27 मई (पुनीत महाजन)

अवैध इमिग्रेशन फर्मों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सेक्टर-26 चंडीगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने इमिग्रेशन धोखाधड़ी और फ्रॉड के कई मामलों में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान युवराज सोबती और हरनीत वालिया के रूप में हुई है, जो लोगों को विदेश भेजने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी कर रहे थे।

पुलिस के अनुसार शिकायतकर्ता बबीता ने अपने भाई विवेक कुमार की ओर से थाना सेक्टर-26 में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने FIR नंबर 65 दिनांक 23 मई 2026 को भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं तथा इमिग्रेशन एक्ट की धारा 24 के तहत मामला दर्ज किया। जांच के दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली, जिसके आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी M/S Truway Consultancy Pvt. Ltd. नाम से इमिग्रेशन फर्म संचालित कर रहे थे। उनका

कार्यालय सेक्टर-26 स्थित SOHO Workspace, टिंबर मार्केट में था।

आरोपी लोगों को न्यूज़ीलैंड में नौकरी और वर्क परमिट दिलाने का झांसा देकर उनसे मोटी रकम वसूलते थे। वे नौकरी के ऑफर लेटर, वीज़ा फाइलिंग और अन्य दस्तावेज तैयार कराने का भरोसा देते थे। शिकायतकर्ताओं से पैसे लेने के बाद आरोपी कार्यालय बंद कर फरार हो गए थे।

पुलिस जांच में अब तक करीब 59 लाख 92 हजार रुपये की ठगी का खुलासा हुआ है। आरोपियों के खिलाफ थाना सेक्टर-26 में पहले से भी कई धोखाधड़ी और इमिग्रेशन एक्ट के मामले दर्ज हैं। इनमें वर्ष 2025 और 2026 की चार अलग-अलग एफआईआर शामिल हैं।

गिरफ्तार आरोपी युवराज सोबती मोहाली के सेक्टर-123 स्थित सनी एन्क्लेव का निवासी है, जबकि महिला आरोपी हरनीत वालिया फेज-6 मोहाली की रहने वाली है। दोनों ग्रेजुएट हैं और इमिग्रेशन कंसल्टेंट के रूप में कार्य कर रहे थे।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

मज़दूर अधिकारों के लिए 5 जून चंडीगढ़ और 9 जून लुधियाणा में होगा रोष प्रदर्शन

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
27 मई (पुनीत महाजन)

मज़दूरों के अधिकारों, सम्मानजनक जीवन और श्रम कानूनों को लागू करवाने की मांग को लेकर 5 जून 2026 को चंडीगढ़ तथा 9 जून 2026 को लुधियाणा में विशाल रोष प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। यह प्रदर्शन कारखाना मज़दूर यूनियन, चंडीगढ़, कारखाना मज़दूर यूनियन, पंजाब तथा टेक्सटाइल-होज़री कामगार यूनियन, पंजाब के नेतृत्व में आयोजित किए जा रहे हैं।

यूनियनों ने कहा कि आज देशभर का मज़दूर वर्ग भारी महँगाई, बेरोज़गारी, कम वेतन, असुरक्षित रोजगार और लगातार बढ़ते शोषण का सामना कर रहा है। फैक्ट्रियों, निर्माण स्थलों, कृषि और अन्य क्षेत्रों में काम करने वाले मज़दूर 12-12 और 14-14 घंटे तक मेहनत करने के बावजूद अपने परिवार की बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं कर पा रहे हैं। दूसरी ओर बड़े पूँजीपति और कंपनियां मज़दूरों की मेहनत से भारी मुनाफ़ा कमा रही हैं। यूनियनों ने आरोप लगाया कि अधिकांश उद्योगपति मज़दूरों को कानूनी अधिकार देने से बच रहे हैं। आठ घंटे कार्यदिवस, न्यूनतम वेतन, दोगुना ओवरटाइम भुगतान, ईपीएफ, ईएसआई, साप्ताहिक छुट्टियाँ और सुरक्षा सुविधाओं जैसे अधिकारों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है। महिला मज़दूरों को समान काम के बदले कम वेतन दिया जा रहा है तथा ठेका और अस्थायी रोजगार के जरिए मज़दूरों का शोषण बढ़ाया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र और राज्य सरकारों पर भी मज़दूर विरोधी नीतियाँ अपनाने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि सरकारें पूँजीपतियों को लाभ पहुंचाने में लगी हैं जबकि महँगाई और बेरोज़गारी से जूझ रहे मज़दूरों की समस्याओं पर गंभीर कदम नहीं उठाए जा रहे।

यूनियनों ने कहा कि अब मज़दूर वर्ग के पास एकजुट संघर्ष के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। इसी उद्देश्य से 5 जून को लेबर दफ्तर, सेक्टर-30बी, चंडीगढ़ तथा 9 जून को डीसी दफ्तर, लुधियाणा के बाहर रोष प्रदर्शन कर सरकार और प्रशासन के सामने अपनी मांगें रखी जाएंगी।

प्रमुख मांगें

- आठ घंटे कार्यदिवस लागू किया जाए।
- न्यूनतम मासिक वेतन 30 हजार रुपये तय किया जाए।
- ओवरटाइम का दोगुना भुगतान सुनिश्चित किया जाए।
- महिला मज़दूरों को पुरुषों के बराबर वेतन दिया जाए।
- साप्ताहिक, त्यौहार, बीमारी और सरकारी छुट्टियाँ वेतन सहित लागू हों।
- महँगाई पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएँ।
- सभी श्रम कानूनों और मज़दूर अधिकारों को सख्ती से लागू किया जाए।
- चारों नए श्रम कोड/मज़दूर विरोधी कानून रद्द किए जाएँ।
- यूनियनों ने सभी मज़दूरों, मेहनतकश लोगों और लोकतांत्रिक संगठनों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में प्रदर्शन में शामिल होकर मज़दूर अधिकारों की आवाज़ बुलंद करें।

मेयर ने मानसून से पहले एन-चो और पटियाला की राव की तत्काल सफाई व डी-सिल्टिंग की मांग उठाई

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
27 मई (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी ने यूटी चंडीगढ़ के मुख्य सचिव एच. राजेश प्रसाद, आईएएस को पत्र लिखकर आगामी मानसून सीजन से पहले एन-चो और पटियाला की राव की तत्काल डी-सिल्टिंग, सफाई और मजबूतीकरण कार्य करवाने की मांग की है, ताकि शहर में बाढ़, जलभराव और आम जनता को होने वाली परेशानियों से बचाया जा सके।

अपने पत्र में मेयर ने कहा कि हर वर्ष भारी बारिश के दौरान शहर के कई सेक्टरों, गांवों और कॉलोनियों में गंभीर जलभराव, चोओं के

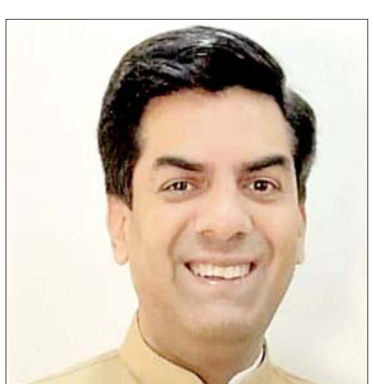

ओवरफ्लो होने, ड्रेनेज चैनलों के अवरुद्ध होने तथा यातायात प्रभावित होने जैसी समस्याएं सामने आती हैं, जिससे लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है और सार्वजनिक संपत्ति को भी नुकसान पहुंचता है।

मेयर ने बताया कि शहर की प्रमुख स्टॉर्म वाटर कैरियर प्रणाली एन-चो में लगातार सिल्ट, कचरा, मलबा, जंगली झाड़ियां और कई स्थानों पर अतिक्रमण जमा हो गया है, जिससे मानसून के दौरान इसकी पानी वहन क्षमता प्रभावित हो रही है। उन्होंने आगे कहा कि पटियाला की राव, जो शहर की ड्रेनेज व्यवस्था से जुड़ा एक महत्वपूर्ण मौसमी जलमार्ग है, वहां भी मानसून शुरू होने से पहले डी-सिल्टिंग, अवरोध हटाने और संवेदनशील स्थानों को मजबूत करने की तत्काल आवश्यकता है।

मेयर ने यूटी प्रशासन और संबंधित विभागों से मांग की कि वे व्यापक स्तर पर सफाई और डी-सिल्टिंग अभियान चलाएं, पानी के प्रवाह में बाधा बनने वाले अवरोधों को हटाएं, ओवरफ्लो और कटाव वाले संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करें तथा बारिश शुरू होने से पहले सभी जरूरी कार्य पूरे करें। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि समय रहते उठाए गए एहतियाती कदम और सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय से मानसून के दौरान ड्रेनेज व्यवस्था सुचारू बनी रहेगी और शहरवासियों को अनावश्यक परेशानियों से बचाया जा सकेगा।

चंडीगढ़ प्रशासन में अधिकारियों के विभाग बदले

HCS राधिका सिंह को डायरेक्टर टूरिज्म लगाया

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
27 मई (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़ प्रशासन में बुधवार (27 मई) को बड़ा फेरबदल किया गया है. 2 अधिकारियों के विभागों में बदलाव हुआ है और उन्हें नई ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। जारी आदेश के मुताबिक, HCS राधिका सिंह को डायरेक्टर टूरिज्म लगाया गया है। यानि अब चंडीगढ़ पर्यटन विभाग की कमान राधिका सिंह के हाथों में दी गई है। इस पद से नवीन (दानिक्स कैडर) को रिलीव किया गया है। वहीं इसी प्रकार नवीन (दानिक्स कैडर) को 4 अहम विभागों की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। अब तक इन विभागों का जिम्मा HCS राधिका सिंह के पास था, जिन्हें रिलीव किया गया है।

आदेश अनुसार, नवीन के पास डायरेक्टर सोशल वेलफेयर, मैनेजिंग डायरेक्टर, चंडीगढ़ SC, BC और माइनॉरिटीज फाइनेंशियल एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, मैनेजिंग डायरेक्टर, चाइल्ड एंड विमेन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन तथा सेक्रेटरी (पदेन सदस्य), चंडीगढ़ कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स का चार्ज रहेगा। आदेश में यह भी कहा गया है कि दोनों अधिकारी अगर और कोई कार्यभार वर्तमान में संभाल रहे हैं तो वो संभालते रहेंगे। चंडीगढ़ के प्रशासक की मंजूरी के बाद मुख्य सचिव एच राजेश प्रसाद ने इस संबंध में आदेश जारी किया है।

गर्मियों की धुप से चेहरा पड़ गया है काला तो अपनाएं घरेलू उपाय

गर्मियों का मौसम हो और चेहरे पर धूप का असर ना दिखे ऐसा कम ही होता है। , गर्मियों में सबसे ज्यादा लोग टैनिंग को लेकर परेशान रहते हैं । हालाँकि कुछ लोग चेहरे पर कपडा बांध कर निकलते हैं लेकिन कड़कती धूप से बचने के लाख जतन करके भी इससे पूरी तरह बचना मुश्किल हो जाता है। गर्मियों में घर से बाहर निकलने पर या गर्मियों की छुट्टिओं में समुद्र तट घूमते हैं तो आपकी त्वचा सूर्य की अल्ट्रा वायलेट किरणों के सम्पर्क में आने, प्रदूषण और गन्दगी के सम्पर्क में आने से सांबली पड़ जाती है । चेहरे पर सन टेन की बजह से चेहरे का सही रंग चला जाता है और चेहरे का आकर्षण भी खतम हो जाता है जिससे चेहरा डल दिखाई देने लगता है।

पपीता फेस पैक

यदि आपका चेहरा धूप में अधिक समय तक रहने से काला पड़ गया है तो पपीते का फेस पैक काफी मददगार साबित हो सकता है । इसके लिए आप पका हुआ पपीता और निम्बू ले लें। पपीते का छिलका उतार कर उसे छोटे छोटे टुकड़ों में काट कर मैश कर लें और इसमें निम्बू की कुछ बुँदे मिला लें ।इस मिश्रण को चेहरे पर लगा कर प्रकृतिक तरीके से सूखने के बाद ताजे पानी से चेहरा धो डालें । इसे आप रोजाना नियमित रूप से लगा सकतीं हैं। सन टेन हटाने के लिए शहद और पपीते का फेस पैक भी काफी सहायक होता है। आप थोड़ा सा पपीता मैश करके इसमें कुछ बुँदे शहद की मिलाकर फेस पैक तैयार कर लें। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगा कर सूखने दें और बाद में साफ ताजे पानी से धो डालें। यह पैक सन टेन को हटाने के साथ ही त्वचा को पौषण भी देता है जिससे आपकी त्वचा कोमल बन जाती है।

इस मौसम में सन टेन से छुटकारा प्राप्त करने के लिए कई बार लोग बड़ी कम्पनियों के महँगे उत्पादों का उपयोग करते हैं लेकिन यह उत्पाद कई बार त्वचा के अनुकूल नहीं होते जिसकी बजह से त्वचा की अनेक समस्याएँ खड़ी हो जाती हैं । ऐसे में धुप से बचने के लिए आप कुछ होम मेड फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं जोकि आपकी त्वचा को मुलायम और कोमल बनाये रखेंगे ।

- दो चमच्च जई के आटे में थोड़ा सा मठहा मिलाकर पेस्ट बना लें ।इस पेस्ट को चेहरे पर लगा कर आधा घण्टा बाद साफ पानी से धो डालें ।
- पके केले को मैश करके इसमें एक चमच्च शहद और एक चमच्च ऑलिव आयल मिला लें ।इस मिश्रण को चेहरे पर लगाने के आधा घण्टा बाद ठण्डे पानी से चेहरे को धो डालें
- तीन चमच्च एलो वेरा जैल , एक चमच्च हल्दी और दो चमच्च शहद को एक कटोरी में मिला कर पेस्ट बना लें । इस फेस पैक को चेहरे पर लगाने के 20 मिनट बाद पानी से धो डालें । इसे आप हफ्ते में एक दिन लगा सकती हैं ।
- एलो वेरा जेल की कुछ बूंदें रोजाना चेहरे पर लगाने से त्वचा की रंगत निखरती है और स्किन टेन की समस्या से निजात मिलती है ।
- बेसन का आटा और दही को बराबर मात्रा में मिलाकर इसमें चुटकी भर हल्दी डालकर पेस्ट बना लीजिये । इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने के आधा घण्टा बाद ठण्डे पानी से धो डालिये
- कांच के एक कटोरे में एक खीरा छीलकर उसे कद्दूकस कर लीजिये । उसमें आधा कटोरी कच्चा दूध डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। अब इसमें 2 चम्मच एलोवेरा जेल मिक्स कर लें और फिर 1 चम्मच गुलाब जल भी डाल लें । इन सभी चीजों को अच्छी तरह मिक्स करने के बाद इसे आपको फेस पर अप्लाई करना है। अच्छी तरह सूख जाने के बाद ताजे पानी से मसाज करते हुए हटा लीजिये।

खीरा

गर्मियों में त्वचा के लिए बहुत सारे घरेलू नुस्खों में खीरा सबसे जरूरी सामग्री है. इसका एक शांत और ठंडा प्रभाव है.।

एक अच्छा खीरे का फेस पैक या आपकी आंखों पर कट-अप स्लाइस आपको आराम देंगे. यह आपकी त्वचा को हाइड्रेट करता है और क्योंकि इसमें ब्लीचिंग गुण होते हैं. यह आपकी त्वचा की रंगत को भी हल्का करता है। . आपको खीरे का रस, थोड़ा गुलाब जल, थोड़ा सा नींबू का रस और एक रुई चाहिए. जूस बनाने के लिए खीरे को कद्दूकस कर लें. उसमें गुलाब जल डालें और ऊपर से थोड़ा सा नींबू का रस निचोड़ लें. इसे एक बाउल में अच्छी तरह मिला लें. इस मिश्रण को अपने चेहरे पर एक कॉटन बॉल से समान रूप से लगाएं। इसे 15-20 मिनट के लिए लगा रहने दें. इसे ठंडे पानी से धो लें.

बेहतर परिणाम के लिए आप

इस फेस पैक को आप हफ्ते में एक बार जरूर लगाएं। नियमित तौर पर लगाने से आपकी त्वचा से टैनिंग दूर होकर त्वचा में धीरे धीरे निखार आने लगेगा।

इसके अलावा आप दिन में कम से कम 2 से 3 बार अपने चेहरे को ठंडे पानी से धोएं। ऐसा करने से चेहरे पर लगी गंदगी, धूल और पसीना हटता है और त्वचा चमकदार बनती है। आप एक सप्ताह में 1 से 2 बार अपने चेहरे पर स्क्रब जरूर करें। इससे डेड स्किन निकलती है और चेहरा ग्लो करता है। स्क्रब करते वक्त अपने चेहरे को ज्यादा न रगड़े। आप अपनी त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए दिन में दो बार मॉइश्चराइजर लगाएं।

शहनाज़ हुसैन

नींबू का फेस पैक

नींबू का फेस पैक बनाने के लिए एक चम्मच नींबू का रस , एक चमच्च शहद और एक चमच्च दूध को कटोरी में मिला कर मिश्रण बना लें ।इस मिश्रण को चेहरे पर आधा घण्टा लगा रहने दें और बाद में साफ ताजे पानी से धो डालें । यह त्वचा की रंगत निखारने का प्रकृतिक तरीका है ।दूध में बिद्यमान प्रकृतिक वसा और खनिज त्वचा को टोन करते हैं और मैग्निसियम , कैल्शियम आदि

त्वचा को पौषण प्रदान करते हैं । एक चमच्च चीनी और एक चमच्च नींबू जूस को मिलाकर पेस्ट बना लें । इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगा कर आहिस्ता से स्क्रब कर लें और कुछ समय बाद साफ पानी से धो डालें ।इस मिश्रण को आप हफ्ते में एक बार लगा सकती हैं।

लेखिका अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य विशेषज्ञ है और हर्बल क्वीन के रूप में विख्यात हैं ।

थायराइड के इन संकेतों को न करें नजरअंदाज, पेशेंट ऐसा रखें खानपान

थायराइड की प्रॉब्लम आजकल बहुत कॉमन हो गई है. खासतौर पर महिलाओं में ये समस्या ज्यादा परेशान करती है. इसका उद्देश्य लोगों को इस हेल्थ प्रॉब्लम के प्रति जागरूक करना है. थायराइड के होने का काफी देर में पता चलता है. एक्सपर्ट कहते हैं कि लोगों को जब तक इसका पता चलता है तब तक डॉक्टर के पास जाने में काफी देर हो जाती है.

इस आर्टिकल में हम आपको वर्ल्ड थायराइड डे के मौके पर बताने जा रहे हैं कि आखिर ये क्या होता है. इसके संकेत क्या है तो होते हैं और डाइट में हम क्या बदलाव कर सकते हैं. इस साल वर्ल्ड थायराइड डे की थीम Awareness to Education रखी गई है. ज्यादातर मामले महिलाओं में देखने को मिलते हैं लेकिन आजकल बच्चे और पुरुष भी इसकी चपेट में आ रहे हैं. थायराइड हो जाए तो खानपान कैसा होना चाहिए एक्सपर्ट से जानें...

थायराइड के संकेत या लक्षण

सीनियर डाइटिशियन गीतिका चोपड़ा कहती हैं कि थायराइड के दो मेन टाइप होते हैं. इसमें हाइपोथायराइड और हाइपरथायराइड का नाम शामिल है. हाइपोथायराइड होता है तो कई संकेत नजर आते हैं. एक्सपर्ट कहती हैं कि अचानक वजन बढ़ना, हर वक्त थकान, हेयर फॉल, डल स्किन, कब्ज, चेहरे पर सूजन, ठंड ज्यादा लगना और मूड स्विंग्स होना हाइपोथायराइड के लक्षण हैं. दूसरी तरफ हाइपरथायराइड के भी कई लक्षण हैं. इसमें वजनन तेजी से गिरना, एंग्जायटी, नर्वसनेस, हार्ट बीट फास्ट होना, ज्यादा पसीना आना और नींद न आने की दिक्कत का न होना शामिल है.

प्रोसेस्ड और शुगरी फूड्स से दूरी

सॉफ्ट ड्रिंक्स, पैकेट वाले स्नैक्स, ज्यादा शुगर और फ्राई किए हुए फूड्स शरीर में इंफ्लामेशन को बढ़ाते हैं. इसके अलावा इनसे वेट गेन की समस्या भी हो सकती है.

गट हेल्थ का ध्यान रखें

कई रिसर्च में सामने आया है कि गट हेल्थ और थायराइड हेल्थ कनेक्टेड होते हैं. इसलिए अपनी डाइट में दही, छाछ, फर्मेंटेड फूड्स और फाइबर से भरपूर चीजों को शामिल करें.

थायराइड हो जाए तो कैसी रखें डाइट

थायराइड स्पेशल डाइट: एक्सपर्ट कहती हैं कि अपना प्रोटीन इंटेक अच्छा रखें. इसलिए अपनी हर मील में दाल, पनीर, अंडे, दही, फिश या चिकन को शामिल रखें. प्रोटीन से मेटाबॉलिज्म को सपोर्ट मिलता है और इससे थकान कम करने में हेल्प मिलती है.

सेलेनियम और जिंक

गीतिका चोपड़ा कहती हैं कि सेलेनियम और जिंक जैसे न्यूट्रिएंट्स थायराइड हार्मोन कनवरजेशन में जरूरी होते हैं. इसलिए आपको पंपकिन सीड्स, नट्स, सीफूड और साबुत अनाज का सेवन करना चाहिए.

पत्तागोभी और ब्रोकली को नजरअंदाज करना चाहिए

लोगों में ये सवाल बना रहता है कि थायराइड है तो ब्रोकली, पत्तागोभी और फूलगोभी जैसी सब्जियों को पूरी तरह खानपान से अलग करने की जरूरी नहीं है. पकाने से और मॉडरेट फॉर्म में खाने से ये जनरली सेफ मानी जाती है. खासतौर पर जब आपका आयोडीन इंटेक प्रॉपर हो.

सिर्फ दवा काफी नहीं

थायराइड मैनेजमेंट के लिए पूरी नींद, स्ट्रेस मैनेजमेंट, रेगुलर एक्सरसाइज, हेल्दी वेट और टाइम से थायराइड टेस्ट भी जरूरी है. इस तरह थायराइड को कंट्रोल करने या इससे छुटकारा पाने में बेहतर हेल्प मिलती है.

आयोडीन का बैलेंस है जरूरी

थायराइड के लिए आयोडीन थायराइड जरूरी है, लेकिन इसका ज्यादा इंटेक भी नुकसान पहुंचा सकता है. इसलिए आयोडाइज्ड नमक बैलेंस क्वालिटी में यूज करें. इसके अलावा सप्लीमेंट्स को बिना डॉक्टर की सलाह के नजरअंदाज करें.

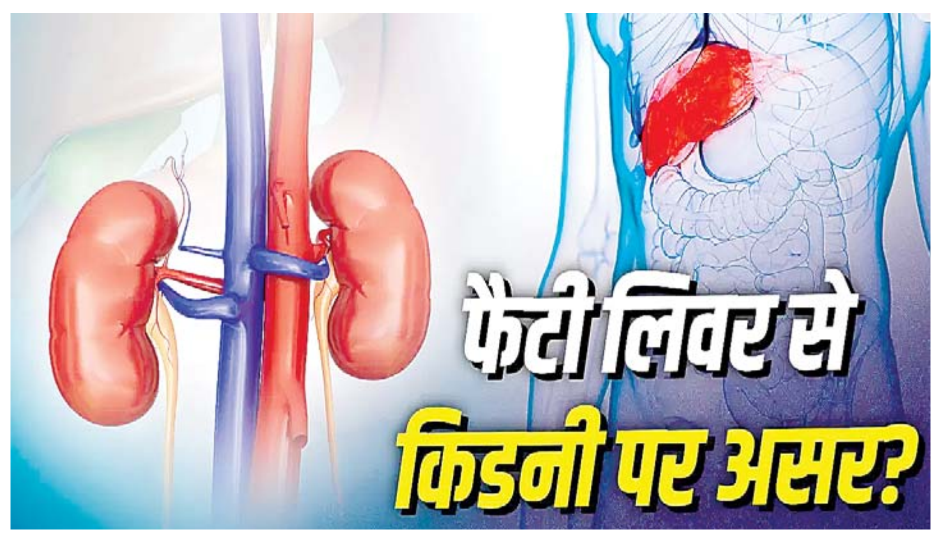

क्या फैटी लिवर से बिगड़ जाती है किडनी की हेल्थ, जानें दोनों में कनेक्शन

आज के समय में फैटी लिवर की समस्या तेजी से बढ़ रही है.

गलत खानपान, मोटापा, शारीरिक एक्टिविटी की कमी और अनहेल्दी लाइफस्टाइल इसके प्रमुख कारण माने जाते हैं. अक्सर लोग फैटी लिवर को केवल लिवर से जुड़ी समस्या समझते हैं, लेकिन इसका असर शरीर के अन्य अंगों पर भी पड़ सकता है.

लंबे समय तक फैटी लिवर की समस्या रहने पर मेटाबॉलिज्म और शरीर की कई जरूरी प्रक्रियाएं प्रभावित हो सकती हैं.

फैटी लिवर की समस्या शुरुआती चरण में कई बार बिना किसी स्पष्ट लक्षण के भी रह सकती है. धीरे-धीरे यह शरीर में सूजन, इंसुलिन रेजिस्टेंस और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ सकती है.

अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए, तो इसका असर लंबे समय में शरीर के अलग-अलग अंगों की क्षमता पर पड़ सकता है. ऐसे में यह सवाल भी उठता है कि क्या फैटी लिवर का असर किडनी की सेहत पर पड़ सकता है. आइए जानते हैं कि दोनों अंगों के बीच क्या संबंध माना जाता है और किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है.

क्या फैटी लिवर का असर किडनी की सेहत पर पड़ सकता है?

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित रिसर्च के मुताबिक, लंबे समय तक फैटी लिवर रहने पर शरीर में सूजन और मेटाबॉलिक असंतुलन बढ़ सकता है. इसका असर धीरे-धीरे किडनी के कामकाज पर भी पड़ सकता है. फैटी लिवर की समस्या अक्सर मोटापा, डायबिटीज और हाई बीपी जैसी स्थितियों से जुड़ी होती है, जो किडनी डिजीज के जोखिम को भी बढ़ा सकती हैं. हालांकि हर व्यक्ति में इसका असर अलग हो सकता है. इसलिए समय पर जांच और सही लाइफस्टाइल अपनाना जरूरी माना जाता है.

किन संकेतों में लिवर और किडनी की जांच करानी चाहिए?

लगातार थकान महसूस होना, पेट में भारीपन, सूजन, भूख कम लगना और वजन में बदलाव जैसे संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. कुछ लोगों में पेशाब से जुड़े बदलाव, शरीर में सूजन या कमजोरी भी महसूस हो सकती है. अगर लंबे समय से डायबिटीज, हाई बीपी या मोटापे की समस्या हो, तो नियमित हेल्थ चेकअप कराना जरूरी हो सकता है. समय पर जांच से लिवर और किडनी से जुड़ी समस्याओं को शुरुआती स्तर पर पहचानने में मदद मिल सकती है.

फैटी लिवर और किडनी को स्वस्थ रखने के लिए क्या करें?

संतुलित डाइट लें और तली-भुनी व अधिक प्रोसेस्ड चीजों का सेवन कम करें. नियमित व्यायाम और वजन कंट्रोल रखना दोनों अंगों की सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है. पर्याप्त पानी पिएं, शराब और धूम्रपान से दूरी बनाएं और समय-समय पर हेल्थ चेकअप कराते रहें. स्वस्थ लाइफस्टाइल लंबे समय तक बेहतर स्वास्थ्य बनाए रखने में मदद कर सकती है.

शुगर कंट्रोल, चर्बी खत्म, एसिडिटी और कब्ज, एक साथ ठिकाने लगेंगे 8 रोग

गर्मियों का मौसम शुरू हो गया है और इन दिनों शरीर का तापमान बढ़ने से कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। डिहाइड्रेशन, पाचन में गड़बड़ और त्वचा से जुड़ी समस्याएं इन दिनों आम हैं। इन समस्याओं से राहत पाने के लिए आप जीरा पानी पी सकते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट और डाइटीशियन शिखा अग्रवाल शर्मा के अनुसार, जीरा पानी पीने के अनगिनत फायदे हैं और जीरा पानी को और ज्यादा फायदेमंद बनाने के लिए आप उसमें नींबू का रस और नमक मिला सकते हैं। ऐसा करने से जीरा पानी के फायदे बढ़ जाते हैं। यह पाचन को बेहतर करता है, शरीर को डिटॉक्स करता है, वजन घटाने में मदद करता है और हाइड्रेशन बनाए रखता है। यह मिश्रण इम्यूनिटी बढ़ाता है, ब्लड शुगर नियंत्रित करता है और संपूर्ण स्वास्थ्य में सुधार करता है।

शरीर को डिटॉक्स करता है

जीरा पानी और नींबू रस मिलकर शरीर को डिटॉक्स करने का काम करते हैं। यह लीवर और किडनी को शुद्ध करता है, जिससे त्वचा में निखार आता है और स्वास्थ्य बेहतर होता है।

वजन घटाने में मदद करता है

यह मिश्रण मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है, भूख को कम करता है और शरीर में जमी हुई चर्बी को जलाने में मदद करता है। रोजाना इसका सेवन शरीर को शुद्ध करता है और अनावश्यक कैलोरी लेने से बचाता है।

त्वचा को स्वस्थ रखता है

एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर यह पेय मुंहासों को कम करता है, उम्र बढ़ने के लक्षणों को धीमा करता है और कोलेजन उत्पादन को सुधारकर त्वचा को प्राकृतिक चमक देता है।

ब्लड शुगर को नियंत्रित करता है

नींबू और नमक के साथ जीरा पानी लेने से इंसुलिन संवेदनशीलता बढ़ती है, जिससे ब्लड शुगर स्थिर रहता है। यह अचानक शुगर लेवल बढ़ने या गिरने से बचाता है और डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद है।

पाचन में सुधार करता है : जीरा, नींबू और नमक मिलाकर पीने से पाचन एंजाइम सक्रिय होते हैं, जिससे गैस, एसिडिटी और कब्ज की समस्या दूर होती है। यह आंतों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है और पोषक तत्वों के अवशोषण को बढ़ाता है।

हाइड्रेशन को बढ़ाता है

नमक में मौजूद इलेक्ट्रोलाइट्स और नींबू की ठंडक देने वाली प्रकृति गर्मियों में हाइड्रेशन बनाए रखने में मदद करती है। यह मिश्रण शरीर में मिनरल्स की कमी को पूरा करता है और डिहाइड्रेशन व कमजोरी से बचाता है।